very useful

सहभागी गण :

1. श्री यम.खाजा हुस्सेन

एम.ए.,एम.काम.,यस.हेच.पी.टी.,पी.जी.डी.एफ.हेच.टी

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला, बोयनपल्ली

सेल नंबर : 9440647554

2. श्री पी.राजशेखर रेड्डी

एम.ए.,एम.यस.सी.,हेच.पी.टी

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला,नल्लिन्गायापल्ली

सेल नंबर :9441500922

3. श्री डॉ यम.खदीरुल्ला खान

एम.ए.,बी.एड.,पी.जी.डी.एफ.हेच.टी.,पी.हेच डी.,

हिंदी पंडित

मंडल परिषद उच्च प्राथमिक पाठशाला,

महबूबनगर, रायचोटि मंडल

सेल नंबर : 8790490487

4. श्री यस.करीमुल्ला

एम.ए.,एम.फील.,हेच.पी.टी

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला, बयनपल्ली

सेल नंबर :7730802276

5. श्री वी.पुल्लय्या

साहित्य रत्ना.,यस.हेच.पी.टी

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला, चिन्नमुक्कापल्ली

सेल नंबर :9493036598

MODEL PAPER-I

HINDI

(SECOND LANGUAGE)

TIME: 2 ½ HOURS PART - A&B MAX.MARKS:100

PART-A **MARKS:75**

सूचना : 1. भाग A के प्रश्नों के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।

2. भाग A के लिए समय दो (2) घंटे निर्धारित हैं ।

I प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए । प्रत्येक भाग (1,2,3,4) के लिए पाँच–पाँच अंक निर्धारित हैं । 5 X 1 = 5

1) निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

शाम को अरुणा चली गयी । पंद्रह दिन बाद वह लौटी तो उसकी हालत खराब हो रही थी । सूरत ऐसी निकल आयी थी कि मानो छह महीने से बीमार है । चित्रा उस समय गुरुजी के पास हुई थी । अरुणा नहा–धोकर, खा–पीकर लेटने लगी । तभी नजर चित्रा के नये चित्रों की ओर गयी । तीन चित्र बने रखे थे ।

प्रश्न

अ) किसकी हालत खराब हो गयी थी ?

ज:

आ) चित्रा कहाँ गयी थी ?

ज:

इ) चित्रा ने कितने चित्र बनाये ?

ज:

ई) 'नजर' शब्द का अर्थ क्या है ?

ज:

उ) यह गद्यांश किस पाठ से दिया गया है ?

ज:

2) निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5 X 1 = 5

चंद्रमणी नामक एक लडका था । उसके माता–पिता का देहांत हो चुका था । लेकिन वह खूब पढना चाहता था । उसका एक मित्र था धनश्याम । पिछलीबार जब धनश्याम, चंद्रमणी से मिला तब उसके माता–पिता जिंदा थे । अब चंद्रमणी अकेला था । वह दुखी और असहाय था । धनश्याम ने उसे अपने घर पर साथ रहने के लिए निवेदन किया ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) धनश्याम के मित्र का नाम क्या था ? [ ]

A) चंद्रमणी B) संद्रमणी C) चंद्रमूर्ति D) चंद्रमुखी

आ) <u>वह</u> खूब पढना चाहता था । इस वाक्य में 'वह' किसका सूचक है ? [ ]

A) धनश्याम B) चंद्रमणी C) माता D) पिता

इ) ' देहांत' किन दो शब्दों से बना है ? [ ]

A) देहा+अंत B) देहं+त C) देहा+आंत D) देह+अंत

ई) कौन अकेला था ? [ ]

A) माता–पिता B) धनश्याम C) चंद्रमणी D) तीनों नहीं

उ) चंद्रमणी दुखी था, क्यों कि– [ ]

A) माता–पिता का देहांत B) खूब न पढने पर C) अकेलापन D) तीनों सही

3) निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5X1= 5

ऊँच–नीच का भेद मिटाकर, दिल में प्यार बसायेंगे ।
नफरत का हम तोड कुहासा, अमृत रस सरसायेंगे ॥
हम निराशा दूर भगाकर, फिर विश्वास जगायेंगे ।
हम भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनायेंगे ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) भारतवासी किसका कुहासा तोडेंगे ? [ ]

A) प्यार B) निराशा C) नफरत D) विश्वास

आ) भारतवासी किसको पावन धाम बनायेंगे ? [ ]

A) भारत को B) आंध्रा को C) धरती को D) विश्व को

इ) 'अमृत' शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A) विष B) पीयूष C) सुधा D) नीर

ई) विश्वास जगाने के लिए क्या भगाना चाहिए ? [ ]

A) नफरत B) निराशा C) प्यार D) आशा

उ) उपर्युक्त पद्यांश किस कविता पाठ से ली गयी है ? [ ]

A)हम भारतवसी B) बरसते बादल C) नीति दोहे D) कण–कण का अधिकारी

4) निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5X1= 5

धर्मग्रंथ सब जला चुकी है,
जिसके अंतर की ज्वाला,
मंदिर, मसजिद, गिरजे सबको
तोड चुका जो मतवाला ।
पंडित मोमिन पादरियों के
फदों को जो काट चुका,
कर सकती है आज उसी का
स्वागत मेरी मधुशाला ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) व्यक्ति के अंतर की ज्वाला किसने जलाया ? [ ]

A) मंदिर B) मसजिद C) गिरजाघर D) धर्मग्रंथ

आ) पादरी कहाँ रहते हैं ? [ ]

A) गिरजाघर B) मसजिद C) मंदिर D) गुरुद्वार

इ) पंडित, मोमिन, पादरी .. .. ये सब कौन हैं ? [ ]

A) सेवक B) धर्मप्रचारक C) अध्यापक D) राजनीतिज्ञ

ई) मंदिर, मसजिद, गिरजे के बीच के भेद कौन तोड सकता है ? [ ]

A) पंडित B) मोमिन C) मतवाला D) पादरी

उ) सब का स्वागत कहाँ होता है ? [ ]

A)मधुशाला B) मंदिर C) मसजिद D) गिरजाघर

II निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए। प्रश्न 6 के लिए विकल्प है।

6 x 3 = 18

5. कण–कण का अधिकारी किन्हें कहते हैं ? क्यों ?

6. सुमित्रानंदन पंत के बारे में आप क्या जानते हैं ?

अथवा

7. निम्नलिखित दोहों की पूर्ति कीजिए।

अ) रहिमन पानी _____ मानुष चून ॥

आ) कनक कनक _____ पाए बौराइ ॥

8. भारतीय संविधान में हिंदी का क्या महत्व है ?

9. बारहमासा लोकगीतों के बारे में आप क्या जानते हैं ?

10. राजू को उसका पुराना स्कूल कैसा लगता था ?

11. मदर तेरेसा ने अपने जीवन में क्या सिद्ध कर दिखाया है ?

III किसी एक प्रश्न का उत्तर दस (10) पंक्तियों में लिखिए। 1 X 10 =10

12. 'बरसते बादल ' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

13. भगवान की पूजा कैसी करनी चाहिए ? अपने विचार स्वष्ट कीजिए।

IV किसी एक प्रश्न का उत्तर दस (10) पंक्तियों में लिखिए। 1 X 10 =10

14. चेन्नई से राजमहेंद्री तक जाते समय लेखक की भावनाएँ कैसी थीं ?

15. लक्ष्मीबाई ने स्वराज्य के लिए क्या किया ? अपने शब्दों में लिखिए।

V किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए। 1 X 7 = 7

16. किसी कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

17. जन्म दिवस की शुभकामनाएँ बताते हुए मित्र के नाम पर पत्र लिखिए।

VI किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 1 X 10 =10

18. अंतरिक्ष में भारत के बढते कदम

19. बेरोजगारी समस्या

20. यदि मैं राजनीतिज्ञ होता तो....

21. पाठशाला में हिंदी दिवस का वर्णन

HINDI

(SECOND LANGUAGE)

TIME: ½ HOUR PART -B MAX.MARKS:25

सूचना : 1. भाग B के प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न पुस्तिका में लिखिए ।

2. भाग B के लिए समय आधा (½) घंटे का समय निर्धारित हैं ।

सूचना : 1. सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

2. प्र.क्रमांक 1 से 25 तक उचित उत्तर का 'कैपिटल अक्षर' सामने दिये गये कोष्टक में लिखिए ।

3. बदले हुए उत्तरों को अंक नहीं दिये जायेंगे ।

1. यह प्रेमचंद की प्रमुख रचना है । [ ]

A) वीणा B) राम की शक्ति पूजा C) गोदान D) चंद्रगुप्त

2. भारतवासी दुनिया को क्या बनाना चाहते हैं ? [ ]

A) स्वर्ग धाम B) नरक धाम C)चार धाम D) पावन धाम

3. 'माहिया' लोकगीत किस प्रांत में गाया जाता है ? [ ]

A) पंजाब B) उत्तर प्रदेश C) राजस्थान D) मध्य प्रदेश

4. हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ? [ ]

A) 14 अक्तूबर B) 14 सितंबर C) 14 दिसंबर D) 14 नवंबर

5. रैदास किस शाखा के प्रमुख कवि हैं ? [ ]

A) प्रेममार्गी शाखा B) कृष्णभक्ति शाखा C) ज्ञानमार्गी शाखा D) रामभक्ति शाखा

6. 'आवारा मसीहा' किसकी प्रमुख रचना है ? [ ]

A) प्रेमचंद B) विष्णु प्रभाकर C) रामधारी सिंह दिनकर D)आर.पी.निशंक

7. बेजवाडा में लेखक ने किस नदी के दर्शन किये ? [ ]

A) कृष्णा B) गोदावरी C) कावेरी D) गंगा

8. रहीम का जन्म कब हुआ ? [ ]

A) 1685 B) 1575 C) 1566 D) 1556

9. 'जल ही जीवन है' कैसा पाठ है ? [ ]

A) निबंध B) नाटक C) कहानी D) पत्र–लेखन

10. अब्दुल कलाम किस नाम से प्रसिद्ध हैं ? [ ]

A) ही–मैन B)स्पैडर–मैन C) सूपर–मैन D) मिसैल–मैन

11. सुमित्रानंदन पंत को किस काव्य पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ? [ ]

A) चिदंबरा B) वीणा C) पल्लव D) स्वर्ण किरण

12. हामिद ने क्या खरीदा ? [ ]

A) मिठाई B) खिलौना C) चिमटा D) पुस्तक

13. कण–कण का अधिकारी कौन है ? [ ]

A) पूँजीपति B) श्रमिक C) धनवान D) नेता

14. मीरा की भक्ति भावना किस प्रकार की थी ? [ ]

A) माधुर्य B) प्रेम C) सेवक D) सख्य

15. 'स्वराज्य की नींव' – कैसा पाठ है ? [ ]

A) एकांकी B) कहानी C) निबंध D) नाटक

16. ' पुरुष ' – शब्द का स्त्री लिंग शब्द क्या है ? [ ]

A) पुरुषता B) स्त्री C) लडका D) लडकी

17. हमारे गाँव में <u>बगीचा</u> है । रेखांकित शब्द का वचन बदलने से क्या बनता है?[ ]

A) हमारे गाँव में बगीचे हैं । B) हमारे गाँव में बगीचा है ।

C) हमारे गाँव में बगीचों हैं । D) हमारे गाँव में बगीचियाँ हैं ।

18. नीचे दिये गये वाक्यों में सही क्रम वाक्य को पहचानिए । [ ]

A) लोकगीतों प्रकार के कई हैं । B) लोकगीतों हैं के कई प्रकार ।

C) लोकगीतों के प्रकार कई हैं । D) लोकगीतों के कई प्रकार हैं ।

19. ' निर्धन ' किन दो शब्दों से बना है ? [ ]

A) निर+धन B) नि:+धन C) निर्द+अन D) निर्ध+न

20. गोदावरी का विशाल _____ दिखाई पडा । [ ]

A) गोदावरी B) विशाल C) पाट D) दिखाई

21. 'शुरुआत' – शब्द में प्रत्यय क्या है ? [ ]

A) शु B) शुरु C) आत D) वात

22. 'मुश्किल' शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A) आसान B) कठिन C) अच्छा D) सरल

23. 'प्रशिक्षण' में उपसर्ग क्या है ? [ ]

A) प्र B) प्रशि C) शिक्षण D) क्षण

24. पानी बरसता है । – काल पहचानिए । [ ]

A) वर्तमानकाल B) भूतकाल C)पूर्ण भूतकाल D) भविष्यत काल

25. ' कमर कसना ' – मुहावरे का अर्थ क्या है ? [ ]

A) आराम लेना B) प्रयत्न करना C)मेहनत करना D) तैयार करना

****

MODEL PAPER-II

HINDI

(SECOND LANGUAGE)

TIME: 2 ½ HOURS PART - A&B MAX.MARKS:100

PART-A **MARKS:75**

सूचना : 1. भाग A के प्रश्नों के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखिए ।

2. भाग A के लिए समय दो (2) घंटे निर्धारित हैं ।

I प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए । प्रत्येक भाग (1,2,3,4) के लिए पाँच–पाँच अंक निर्धारित हैं । 5 X 1 = 5

1) निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

परिणाम निकलने के पहले दिन राजू लौट आया और अगले दिन पूरे आत्मविश्वास से अपने पिता के साथ परीक्षा–फल देखने गया । एक बार फिर वह कक्षा में प्रथम आया था । उसके पिता जी खुश थे लेकिन राजू के हर्ष की तो सीमा ही नहीं थी । प्रथम आने पर वह इतना प्रसन्न कभी नहीं हुआ था, क्योंकि अब उसने स्कूल को सुंदर और समुचित उपहार समर्पित किया है ।

प्रश्न

अ) राजू कब लौट आया ?

ज:

आ) राजू किसके साथ परीक्षा–फल देखने गया ?

ज:

इ) किसके हर्ष की सीमा ही नहीं थी ?

ज:

ई) राजू अपने स्कूल को क्या समर्पित किया है ?

ज:

उ) 'विश्वास' – शब्द का विलोम शब्द क्या है ?

ज:

2) निम्नलिखित गद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5 X 1 = 5

एक छोटे से गाँव में एक ब्राह्मण रहता था । अपनी आजीविका चलाने के लिए वह लोगों के घरों में पूजा–पाठ करवाता था । एक दिन उसने गाँव के सबसे धनी व्यक्ति के घर में पूजा करवाई । दक्षिणा के रूप में उसने ब्राह्मण को दो अच्छी नस्ल के दो स्वस्थ बछडे दिये ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) पूजा–पाठ कौन करवाता था ? [ ]

A) जुलाहा B) ब्राह्मण C) सुनार D) बढई

आ) ब्राह्मण ने पूजा करके क्या पाया ? [ ]

A) दौलत B) घर C) स्वस्थ D) बछडे

इ) ब्राह्मण पूजा कहाँ करवाई ? [ ]

A) गरीब के घर B) धनी के घर C) अछूत के घर D) महाजन के घर

ई) एक ब्राह्मण रहता था । – रेखांकित शब्द क्या है ? [ ]

A) संज्ञा B) सर्वनाम C) विशेषण D) क्रिया

उ) ब्राह्मण ने कैसे बछडे पाये ? [ ]

A) बडे B) छोटे C) दुबले D) स्वस्थ

3) निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5X1= 5

मन में श्रद्धा और प्रेम का अद्भुत दृश्य दिखायेंगे ।
सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पण की बगिया महकायेंगे ॥
जग के सारे क्लेश मिटाकर, धरती को स्वर्ग बनायेंगे ।
विश्वबंधुत्व का मूल मंत्र हम, दुनिया में सरसायेंगे ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) भारतवासी कौनसा दृश्य दिखायेंगे ? [ ]

A) प्रेम और बल का B) खुश और श्रद्धा का C) श्रद्धा और प्रेम का D) खुश और बल का

आ) सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पण की _____ महकायेंगे । [ ]

A) चिडिया घर B) जग C) धरती D) बगिया

इ) भारतवासी धरती को क्या बनायेंगे ? [ ]

A) स्वर्ग B) नरक C) पावन D) अद्भुत

ई) भारतवासी दुनिया में कौनसा मंत्र सरसायेंगे ? [ ]

A) भारतबंधुत्व B) विश्वबंधुत्व C) राष्ट्रबंधुत्व D) परिवारबंधुत्व

उ) जग के सारे _____ मिटाना चाहिए ? [ ]

A) सुख B) नफरत C) क्लेश D) निराशा

4) निम्नलिखित पद्यांश पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5X1= 5

. मंदिर–मसजिद–गिरजाघर ने
बाँट लिया भगवान को ।
धरती बाँटी सागर बाँटा –
मत बाँटों इंसान को ॥

अभी राह तो शुरू हुई है–
मंजिल बैठी दूर है ।
उजियाला महलों में बंदी–
हर दीपक मजबूर है ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) किसे बाँट लिया है ? [ ]

A) मंदिर को B) मसजिद को C) गिरिजाघर को D) भगवान को

आ) यहाँ कवि किसे न बाँटने के लिए कहते हैं ? [ ]

A) धरती को B) आकाश को C) इंसान को D) सागर को

इ) किसकी मंजिल दूर है ? [ ]

A) भगवान की B) इंसान की C) धरती की D) सागर की

ई) महलों में क्या बंदी है ? [ ]

A) दीपक B) सितारे C) उजियाला D) मंजिल

उ) 'उजियाला' का पर्यायवाची शब्द क्या है ? [ ]

A) चाँदनी B) सितारा C) सवेरा D) रोशनी

II निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए। प्रश्न 6 के लिए विकल्प है।

6 X 3 = 18

5. ऊँच–नीच का भेद मिटाने के लिए हम क्या–क्या कर सकते हैं ?

6. कवि मेहनत करनेवालों को सदा आगे रखने की बात क्यों कर रहे हैं ?

अथवा

7. निम्नलिखित दोहों की पूर्ति कीजिए।

अ) कहि रहीम _____ साँचे मीत ॥

आ) नर की अरु _____ ऊँचौ होइ ॥

8. हिंदी देश को जोडनेवाली कडी है। – इसे अपने शब्दों में सिद्ध कीजिए ?

9. आंध्र को अन्नपूर्णा एवं भारत का धान्यागार कहलाने में नदियों का योगदान व्यक्त कीजिए ?

10. राजू के प्रति नये स्कूल के साथियों का व्यवहार कैसा था ?

11. अरुणा व चित्रा दोनों के स्वभाव के बारे में अपने विचार बताइए।

III किसी एक प्रश्न का उत्तर दस (10) पंक्तियों में लिखिए। 1 X 10 =10

12. ' हम भारतवासी ' कविता का सारांश लिखिए।

13. ' कण–कण का अधिकारी ' कविता का सारांश लिखिए।

IV किसी एक प्रश्न का उत्तर दस (10) पंक्तियों में लिखिए। 1 X 10 =10

14. 'ईदगाह' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

15. जल की समस्या को सुलझाने के लिए आप क्या सुझाव दे सकते हैं ? लिखिए।

V किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए। 1 X 7 = 7

16. किसी ऐतिहासिक स्थान का वर्णन करते हुए भाई के नाम पत्र लिखो।

17. स्वतंत्रता दिवस का वर्णन करते हुए मित्र के नाम पत्र लिखो।

VI किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। 1 X 10 =10

18. कंप्यूटर का महत्व

19. यदि मैं प्रधानमंत्री होता....

20. भ्रष्टाचार की समस्या

21. गणतंत्र दिवस

HINDI

(SECOND LANGUAGE)

TIME: ½ HOUR PART -B MAX.MARKS:25

सूचना : 1. भाग B के प्रश्नों के उत्तर, प्रश्न पुस्तिका में लिखिए ।

2. भाग B के लिए समय आधा (½) घंटे का समय निर्धारित हैं ।

सूचना : 1. सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

2. प्र.क्रमांक 1 से 25 तक उचित उत्तर का 'कैपिटल अक्षर' सामने दिये गये कोष्टक में लिखिए ।

3. बदले हुए उत्तरों को अंक नहीं दिये जायेंगे ।

1. प्रकृति के बेजोड कवि कौन है ? [ ]

A) सुमित्रानंदन पंत B) प्रेमचंद C) रामधारी सिंह दिनकर D) आर.पी.निशंक

2. प्रेमचंद के बचपन का नाम क्या था ? [ ]

A) धनपत राय B)गणपत राय C)भगवत राय D) हरिवंश राय

3. भारतवासी कौनसा भेद मिटायेंगे ? [ ]

A)शांति का B) सत्य का C) ऊँच–नीच का D) त्याग का

4. दिनकर जी को किस काव्य पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ? [ ]

A) चिदंबरा B) उर्वशी C) कुरुक्षेत्र D) रसवंती

5. मनुज मात्र का धन क्या है ? [ ]

A) अर्थ B) श्रम C) सुख D) प्रकृति

6. बाऊल और भतियाली कहाँ के लोकगीत हैं ? [ ]

A)बंगाल B) पंजाब C) राजस्थानी D) गुजराती

7. विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ? [ ]

A)10 जनवरी B) 14 सितम्बर C) 8 सितम्बर D) 12 जनवरी

8. किनकी रचनाओं का मुख्य प्रतिपाद्य 'देशभक्ति' है ? [ ]

A)दिनकर B) पंत C) आर.पी.निशंक D) प्रेमचंद

9. अग्नि–पुत्री किसे कहा जाता है ? [ ]

A) सुनीता विलियम्स B) कल्पना चावला C) टेसी थॉमस D) विल्मा ग्लोडियन

10. सही राह का मार्गदर्शन किनके द्वारा होता है ? [ ]

A) भगवान B) माता C) पिता D) गुरु

11. जूही किनको बुरी तरह दुत्कार दिया था ? [ ]

A) मुंदर को B) राव साहब को C) तात्या को D) लक्ष्मीबाई को

12. दक्षिणी गंगा गोदावरी – कैसा पाठ है ? [ ]

A) यात्रा–वृत्तांत B) एकांकी C) कहानी D) संस्मरण

13. संस्कृत, अरबी, फारसी के विद्वान कौन थे ? [ ]

A) बिहारी B) रहीम C) रैदास D) मीराबाई

14. किसके खाने पर मनुष्य पागल बन जाता है ? [ ]

A) आम B) अंगूर C) धतूरा D) सेब

15. किसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है ? [ ]

A) आग B) खाना C) घर D) पानी

16. ' पेड–पौधे ' कौन–सा समास है ? [ ]

A) द्वंद्व समास B) द्विगु समास C) तत्पुरुष समास D) कर्मधारय समास

17. ' सद्भाव ' में उपसर्ग क्या है ? [ ]

A) सत् B) सद् C) स D) सदः

18. ' मीठा ' भाववाचक संज्ञा क्या है ? [ ]

A) मिठाई B) मिठास C) मीठापन D) मीठी

19. ' प्रसन्न ' शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A)निरप्रसन्न B) अप्रसन्न C) अनप्रसन्न D) आप्रसन्न

20. 'भडकीला' – प्रत्यय क्या है ? [ ]

A) ला B) इला C) ईला D) कीला

21. पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे हैं ।–यह वाक्य किस काल में है ?[ ]

A)अपूर्ण वर्तमान कालB) भविष्यत काल C) भूतकाल D) सामान्य वर्तमानकाल

22. 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द क्या है ? [ ]

A)पवित्र B) हवा C) धरती D) दुनिया

23. 'पवन' – संधि विच्छेद कीजिए । [ ]

A) पो+अन B) पो+आन C) पाव+अन D) पाव+आन

24. हमारे गाँव में बगीचा है । – इस वाक्य में कौनसा कारक है ? [ ]

A) कर्ता कारक B) कर्म कारक C) संबंध कारक D) अधिकरण कारक

25. यह <u>आदिवासी</u> का संगीत है । –रेखांकित शब्द का वचन बदलिए । [ ]

A) यह आदिवासियाँ का संगीत है । B) यह आदिवासियों का संगीत है ।

C) यह आदिवासियों के संगीत हैं । D) ये आदिवासियों का संगीत है ।

****

पठित गद्यांश

1. सबसे पहले तो यह जान लेना चाहिए कि शांति क्या है ? शांति का केवल यह अर्थ नहीं कि मुख से चुप रहें । अपितु मन को नियंत्रित कर उसे बुराई के रास्ते पर चलने से रोकना ही वास्तविक शांति है । इसीलिए जहाँ शांति है, वहाँ सुख है, जहाँ सुख है वही स्वर्ग है, जहाँ स्वर्ग है वही दुनिया का श्रेष्ठ स्थान है । युद्ध, दुख, लालच और सभी पीडाओं को मिटाने का एकमात्र साधन है – शांति । धन–दौलत से भौतिक संपदा खरीद सकते हैं किंतु शांति नहीं ।

प्रश्न

अ) किसे नियंत्रित करने से वास्तविक शांति मिलती है ?

ज:

आ) किस रास्ते पर चलने से रोकना ही वास्तविक शांति है ?

ज:

इ) दुनिया का श्रेष्ठ स्थान कौन–सा है ?

ज:

ई) सभी पीडाओं को मिटाने का एक मात्र साधन क्या है ?

ज:

उ) धन–दौलत से क्या खरीद नहीं सकते हैं ?

ज:

अ) मन को आ) बुराई के इ) स्वर्ग ई) शांति उ) शांति

2. मंडेला के नाम से विश्वभर में प्रख्यात शांतिदूत का पूरा नाम नेल्सन रोलिह्लह्ला मंडेला था । उनका जन्म 18 जुलाई 1918 को दक्षिण अफ्रीका में हुआ । वे दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति थे । राष्ट्रपति बनने से पूर्व वे दक्षिण अफ्रीका में सदियों से चल रहे रंगभेद का विरोध करने वाले अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस और इसके सशस्त्र जुट "उमखोतों वे सिजवे" के अध्यक्ष थे । रंगभेद विरोधी संघर्ष के कारण उन्होंने 27 वर्ष रॉबेन द्वीप के कारागार में बिताया । उन्हें कोयला खनिक का काम करना पडा था ।

प्रश्न

अ) विश्वभर में प्रख्यात शांति दूत कौन है ?

ज:

आ) मंडेला का जन्म किस वर्ष में हुआ ?

ज:

इ) दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत राष्ट्रपति कौन थे ?

ज:

ई) मंडेला ने किस कारागार में 27 वर्ष बिताया ?

ज:

उ) मंडेला जेल में क्या काम करते थे ?

ज:

अ) मंडेला आ) 1918 इ) मंडेला ई) रॉबेन द्वीप उ) कोयले का काम

3. मदर तेरेसा का जन्म 26 अगस्त, 1910 और स्वर्गवास 5 सितंबर, 1997 में हुआ था । वैसे तो वे युगोस्लोविया मूल की थीं, आगे चलकर सेवा की भावना में रत होकर भारत की नागरिकता स्वीकार ली । प्रारंभ में उन्होंने अध्यापिका के रूप में काम किया । किंतु उनका सपना कुछ और ही था । वे अनाथों, गरीबों और रोगियों की सेवा करना चाहती थीं । इसीलिए उन्होंने सन् 1950 में कोलकाता में " मिशनरीज आँफ चारिटी " की स्थापना की । उनके द्वारा स्थापित संस्था को ही 'निर्मल हृदय" कहते हैं ।

प्रश्न

अ) मदर तेरेसा का जन्म किस वर्ष में हुआ ?

ज:

आ) मदर तेरेसा किस देश की मूल थीं ?

ज:

इ) कौन अनाथों, गरीबों और रोगियों की सेवा करना चाहती थीं ?

ज:

ई) मदर तेरेसा ने 'मिशनरीज आँफ चारिटी' की स्थापना किस शहर में किया?

ज:

उ) मदर तेरेसा द्वारा स्थापित संस्था का नाम क्या है ?

ज:

अ) 1910 आ) युगोस्लोविया इ) मदर तेरेसा ई) कोलकाता उ) निर्मल हृदय

4. विदेश जाकर चित्रा तन–मन से अपने काम में जुट गयी । उसकी लगन ने उसकी कला को निखार दिया । विदेश में उसके चित्रों की धूम मच गयी । भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के उस चित्र की प्रशंसा में तो अखबारों के कालम के कालम भर गये । शोहरत के ऊँचे कगार पर बैठ, चित्रा जैसे अपने पिछला सब कुछ भूल गयी । पहले वर्ष तो अरुणा से पत्र व्यवहार बडे नियमित रूप से चला ।

प्रश्न

अ) चित्रा अपने काम में कैसे जुट गयी ?

ज:

आ) चित्रा के चित्रों की धूम कहाँ मच गयी ?

ज:

इ) चित्रा के किस चित्र की प्रशंसा अखबारों में हुई ?

ज:

ई) चित्रा किससे पत्र व्यवहार करती थी ?

ज:

उ) शोहरत के ऊँचे कगार पर कौन बैठी थी ?

ज:

अ) तन–मन से आ) विदेश में इ) भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के ई) अरुणा उ) चित्रा

5. सभी लडके पढने में व्यस्त हो गये पर राजू को किताबें लिए देखकर उस पर हँसने और मजाक उडाने का समय फिर भी निकाल ही लेते । राजू अब बहुत धैर्यवान हो गया था और चुपचाप मन में मुस्कुराता हुआ अपनी पढाई करता रहा । एक सप्ताह में ही वार्षिक परीक्षा समाप्त हो गयी । राजू दो सप्ताह की छुट्टी के लिए गाँव वापस गया । उसके बाद ही परीक्षा परिणाम निकलना था ।

प्रश्न

अ) सभी लडके किसमें व्यस्त हो गये ?

ज:

आ) कौन बहुत धैर्यवान हो गया ?

ज:

इ) राजू की परीक्षा कितने दिनों में समाप्त हो गयी ?

ज:

ई) राजू कितने दिनों की छुट्टी के लिए गाँव गया ?

ज:

उ) 'समाप्त' शब्द का विलोम शब्द क्या है ?

ज:

अ) पढने में आ) राजू इ) एक सप्ताह में ई) दो सप्ताह की उ) आरंभ

6. राज्य में पशुओं का चारा भी मिलना मुश्किल हो गया । कई किसान अपने–अपने पालतू जानवर सस्ते दामों पर बेचने लगे । ऐसी हालत में राजभंडार का अनाज प्रजा में बाँट दिया जाने लगा । अडोस–पडोस के राज्यों से अनाज उधार लिया जाने लगा । फिर भी राजा को भविष्य की चिंता सता रही थी ।

प्रश्न

अ) राज्य में किसे चारा मिलना मुश्किल हो गया ?

ज:

आ) किसान सस्ते दामों में क्या बेचने लगे ?

ज:

इ) राजा ने राजभंडार का अनाज किनमें बाँट दिया ?

ज:

ई) अडोस–पडोस के राज्यों से क्या उधार लिया ?

ज:

उ) राजा को किसकी चिंता सता रही थी ?

ज:

अ) पशुओं को आ) पालतू जानवर इ) प्रजा में ई) अनाज उ) भविष्य की

अपठित गद्यांश

1. राम ने महर्षि को प्रणाम करते हुए पूछा, " अब हमारे लिए क्या आज्ञा है, मुनिवर ?" महर्षि ने राम को गले लगाया । कहा, " हम लोग यहाँ से मिथिला जाएँगे । महाराज जनक के यहाँ विदेहराज के दरबार में । मैं चाहता हूँ कि तुम दोनों मेरे साथ चलो । उनके आयोजन में हिस्सा लेने । महाराज के पास एक अद्‌भुत शिव–धनुष है । तुम भी उसे देखो ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) " अब हमारे लिए क्या आज्ञा है?" – यह वाक्य किसने कहा? [ ]

A) मुनिवर B) महर्षि C) राम D) विदेहराज

आ) मिथिला के महाराजा कौन है ? [ ]

A) मुनिवर B) जनक C) राम D) विदेहराज

इ) साथ चलने के लिए किसने कहा ? [ ]

A) मुनिवर B) जनक C) राम D) विदेहराज

ई) महाराज को शिव–धनुष किसने दिया ? [ ]

A) ब्रह्‌मा B) विष्णु C) इंद्र D) शिव

उ) ' महाराज'– शब्द का स्त्री लिंग रूप क्या है ? [ ]

A)महासम्राट B) महारानी C) महासम्राज्ञी D) रानी

अ) C आ) B इ) A ई) D उ) B

2. कला के ज्ञाता भगवान बुद्‌ध को एक बार एक अनोखा विचार सूझा । उन्हें यह जानने की उत्सुकता हुई कि पृथ्वी वासी दूसरे देवताओं की तुलना में उनका अंकन किस प्रकार करते हैं । अत: मनुष्य का रूप धारण कर वे भू–लोक पर अवतरित हुए । घूमते–विचरते वे एक शिल्पकार के संग्रहालय में जा पहुँचे । वह शिल्पकार देवी–देवताओं की प्रतिमाएँ बनाने के लिए विख्यात था । भगवान बुद्‌ध ने अनेक देवी–देवताओं की प्रतिमाएँ उसके संग्रहालय में देखीं । उन्हीं में उनकी भी एक प्रतिमा थी ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) भगवान बुद्ध किसके ज्ञाता थे ? [ ]

A) अनोखे के B) प्रतिमा के C) कला के D) रूप धारण के

आ) तुलना करने का विचार किन्हें आया ? [ ]

A) बुद्ध को B) देवी को C) देवता को D) शिल्पकार को

इ) किसने मनुष्य का रूप धारण किया ? [ ]

A) देव B) भगवान C) बुद्ध D) पृथ्वी देवता

ई) देवी–देवताओं की प्रतिमाएँ कहाँ पर थीं ? [ ]

A) दुकान पर B) संग्रहालय में C) भगवान के पास D) मंदिर में

उ) बुद्ध कहाँ पर अवतरित हुए ? [ ]

A) स्वर्ग–लोक B) पर–लोक C) यम–लोक D) भू–लोक

अ) C आ) A इ) C ई) B उ) D

3. पाटलिपुत्र नगर नंद, मौर्य और गुप्त सम्राटों की राजधानी रहा है । दूर–दूर तक इस नगर की कीर्ति फैली हुई थी । राजधानी होने से देशभर के प्रतिष्ठित पंडित यहाँ एकत्र होते थे । प्रख्यात नालंदा विश्वविद्यालय भी पटना से ज्यादा दूर नहीं था ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) पाटलिपुत्र किनकी राजधानी रही है ? [ ]

A) नंद B) गुप्त C) मौर्य D) तीनों की

आ) पाटलिपुत्र का और एक नाम क्या है ? [ ]

A) नालंदा B) नगर C) पटना D) पाटलि

इ) पटना के नजदीक कौनसा विश्वविद्यालय था ? [ ]

A) नालंदा B) बौद्ध C) अमरावती D) नागार्जुन

ई) देश भर के पंडित क्यों एकत्र होते थे ? [ ]

A) राजधानी होने से B) प्रतिष्ठित होने से C) प्रसिद्ध होने से D) दूर होने से

उ) ' ज्यादा '– शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A) बहुत B) कम C) थोडा D) अधिक

अ) D आ) C इ) A ई) A उ) B

4. आयुर्वेद के सबसे बडे ज्ञाता का नाम चरक है । हर वर्ष सैकडों छात्र उनसे आयुर्वेद का ज्ञान प्राप्त करने आते थे । वे पूर्णिमा की रात में अपने शिष्यों के साथ जंगल में घूमने और उनको उन जडी–बूटियों को दिखाते थे जो केवल चाँदनी रात में ही पहचानी जा सकती थीं । कुछ छात्र तो डरकर शिक्षा ही छोडकर भाग जाते थे । चरक का मानना था कि मौत से डरने वाला वैद्य नहीं बन सकता ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) छात्र ज्ञान प्राप्त करने किसके पास आते थे ? [ ]

A) गुरु के B) चरक के C) शिक्षा के D) चाँदनी के

आ) जडी–बूटियों के लिए कहाँ जाते थे ? [ ]

A) कक्षा में B) मंदिर में C) जंगल में D) गुरु के पास

इ) मौत से डरनेवाला क्या नहीं बन सकता ? [ ]

A) शिक्षक B) वैद्य C) भगवान D) शिष्य

ई) जंगल को कब जाना पडता था ? [ ]

A) पूर्णिमा को B) अमावस्या को C) सूर्योदय को D) सूर्यास्त को

उ) चाँदनी रात में किनको पहचाना जाता था ? [ ]

A) शिष्य को B) जडी को C) बूटियों को D) जडी–बूटियों को

अ) B आ) C इ) B ई) A उ) D

5. एक गरीब मजदूर सारा दिन लहू–पसीना एक कर देनेवाली मेहनत करने के बाद, साँझ के समय पचास पैसे अपनी फटी–पुरानी चादर के कोने में बाँधकर शहर से निकला और मजदूरों की बस्ती की तरफ चला । बहुत दूर उसने अपने कच्चे झोंपडे के धुएँ को आकाश में चक्कर काटते देखा और देखते ही समझ गया कि उसकी माँ उसके लिए खाना पका रही है ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) मजदूर कब तक मेहनत की ? [ ]

A) रात तक B) सुबह तक C) शाम तक D) सारा दिन

आ) मजदूर अपनी मेहनत की कमाई किसमें बाँधा ? [ ]

A) जेब में B) चादर में C) सिर में D) झोंपडें में

इ) गरीब मजदूरी करने कहाँ गया ? [ ]

A) शहर B) गाँव C) विदेश D) मजदूरों की बस्ती

ई) कच्चे झोंपडे में कौन थी ? [ ]

A) पिता B) गरीब C) माँ D) मजदूर

उ) मजदूर का झोंपडा कैसा था ? [ ]

A) छोटा B) बडा C) पक्का D) कच्चा

अ) C आ) B इ) A ई) C उ) D

6. डॉक्टर साहब सरकारी अस्पताल के थे । वे एक इक्के पर तशरीफ लाए । मैं अपना पूरा हाल भी न कहने पाया था कि आप बोले, "जबान दिखलाइए । घबराने की कोई बात नहीं है । दवा पीजिए, दो खुराक पीते–पीते आपका दर्द ही गायब हो जाएगा, जैसे हिंदुस्तान से सोना गायब हो रहा है ।" मैं तो दर्द से बेचैन था । डॉक्टर साहब साहित्य का मजा लूट रहे थे ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) डॉक्टर कितनी फीज लेते थे? [ ]

A) एक पैसा B) एक इक्का C) एक आना D) एक रुपया

आ) दवा पीने पर क्या गायब हो जायेगा ? [ ]

A) डॉक्टर B) बीमारी C) दर्द D) आदमी

इ) डॉक्टर क्या दिखलाने को कहा ? [ ]

A) हाथ B) छाती C) दर्द D) जबान

ई) डॉक्टर ने दर्द की तुलना किससे की ? [ ]

A) सोने से B) हिंदुस्तान से C) इक्के से D) दवा से

उ) 'गायब होना' – इस मुहावरे का अर्थ क्या है ? [ ]

A) चल जाना B) निकल जाना C) अदृश्य हो जाना D) भाग जाना

अ) B आ) C इ) D ई) A उ) C

पठित पद्यांश

1. रिमझिम–रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर ।
धाराओं पर धाराएँ झरती धरती पर,
रज के कण–कण में तृण–तृण को पुलकावलि थर ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) रिमझिम–रिमझिम आवाज कौन करते हैं ? [ ]

A) ओस B) बूँदें C) नहरें D) नदियाँ

आ) क्या सिहर उठते हैं ? [ ]

A) रोम B) बूँद C) कण–कण D) स्वर

इ) धाराओं पर धाराएँ किस पर झरती है ? [ ]

A) बूँदों पर B) रोम पर C) धरती पर D) तृण पर

ई) ' रज ' का अर्थ क्या है ? [ ]

A) पहाड B) मिट्टी C) नदी D) पेड

उ) यह पद्यांश किस कविता से लिया गया है ? [ ]

A) हम भारतवासी B) कण–कण का अधिकारी C) भक्तिपद D) बरसते बादल

अ) B आ) A इ) C ई) B उ) D

2. पकड वारि की धार झूलता है मेरा मन ,
आओ रे सब मुझे घेर कर गाओ सावन ।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर–फिर आये जीवन में सावन मनभावन ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) कवि का मन किसकी धार पकड झूलता है ? [ ]

A) झूले की B) वारि की C) झरने की D) नदी की

आ) कवि सब मिलकर कैसे गीत गाने को कहता है ? [ ]

A) लोकगीत B) बारिश के गीत C) सावन के गीत D) बारहमासा के गीत

इ) कवि किस झूले में झुलने को कहता है ? [ ]

A) पेड के B) इंद्रधनुष के C) लकडी के D) लोहे के

ई) मन भावन क्या है ? [ ]

A) सावन B) माघ C) आषाढ D) चैत्र

उ) यह पद्यांश किस कविता से लिया गया है ? [ ]

A) हम भारतवासी B) कण–कण का अधिकारी C) भक्तिपद D) बरसते बादल

अ) B आ) C इ) B ई) A उ) D

3. दादुर टर–टर करते झिल्ली बजती झन–झन,
'म्यव–म्यव' रे मोर 'पीउ' 'पीउ' चातक के गण ।
उडते सोनबालक, आर्द–सुख से कर क्रंदन,
घुमड–घुमड गिर मेघ गगन में भरते गर्जन ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) दादुर किस प्रकार आवाज करते हैं ? [ ]

A) टर–टर B) झन–झन C) म्यव–म्यव D) पीउ–पीउ

आ) उडनेवाले क्या हैं ? [ ]

A) चातक B) सोनबालक C) मोर D) दादुर

इ) म्यव–म्यव – करनेवाले कौन हैं ? [ ]

A) दादुर B) झिल्ली C) मोर D) चातक

ई) मेघ कहाँ गर्जन करते हैं ? [ ]

A) पृथ्वी पर B) हवा में C) गगन में D) वर्षा में

उ) यह किनकी पंक्तियाँ हैं ? [ ]

A) सुमित्रानंदन पंत B) प्रेमचंद C) आर.पी.निशंक D) रामधारी सिंह दिनकर

अ) A आ) B इ) C ई) C उ) A

4. उलझन में उलझे लोगों को तथ्य दीप समझायेंगे ।
भटक रहे जो जीवन पथ से, उनको राह दिखायेंगे ॥
हम खुशियों के दीप जला, जीवनज्योत जलायेंगे ।
हम भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनायेंगे ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) भारतवासी उलझे लोगों को क्या समझाना है ? [ ]

A) तथ्य दीप B) बात C) जीवन D) मार्ग

आ) जीवन पथ से भटके लोगों को क्या दिखाना है ? [ ]

A) दीप B) मंजिल C) राह D) धन

इ) कौनसा ज्योत जलाना है ? [ ]

A) दीप का B) खुशी का C) रोशनी का D) जीवन का

ई) भारतवासी दुनिया को क्या बनायेंगे ? [ ]

A) पावन धाम B) शांति धाम C) सत्य धाम D) अहिंसा धाम

उ) हम किस देश के वासी है ? [ ]

A) तिब्बत के B) रूस के C) भारत के D) कुवैत के

अ) A आ) C इ) D ई) A उ) C

5. एक मनुज संचित करता है,
अर्थ पाप के बल से,
और भोगता उसे दूसरा,
भाग्यवाद के छल से ।
नर–समाज का भाग्य एक है,
वह श्रम, वह भुजबल है,
जिसके सम्मुख झुकी हुई–
पृथ्वी, विनीत नभ–तल है ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) मनुष्य क्या संचित करता है ? [ ]

A) पाप B) अर्थ C) पुण्य D) भुजबल

आ) दूसरा, अर्थ को कैसे भोगता है ? [ ]

A) भाग्यवाद से B) आशावाद से C) श्रम से D) पाप से

इ) नर समाज का भाग्य क्या है ? [ ]

A) पाप B) धन C) भाग्यवाद D) श्रम

ई) किसके सम्मुख नभ–तल झुके हैं ? [ ]

A) श्रम के B) भुजबल के C) श्रम और भुजबल के D) बलवान के

उ) इस पद्यांश के कवि कौन है ? [ ]

A) पंत B) दिनकर C) प्रेमचंद D) आर.पी.निशंक

अ) B आ) A इ) D ई) C उ) B

6. जिसने श्रम–जल दिया उसे
पीछे मत रह जाने दो,
विजीत प्रकृति से पहले
उसको सुख पाने दो ।
जो कुछ न्यस्त प्रकृति में है,
वह मनुज मात्र का धन है,
धर्मराज उसके कण–कण का
अधिकारी जन–जन है ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) किसे पीछे मत रहने देना है ? [ ]
A) श्रमी को B) विजयी को C) प्रकृति को D) धनी को

आ) प्रकृति में न्यस्त किसका धन है ? [ ]
A) भाग्यवादी का B) आशावादी का C) श्रमी का D) मनुष्य का

इ) कण–कण का अधिकारी कौन है ? [ ]
A) जन–जन B) धर्मराज C) प्रकृति D) धनी

ई) जिसने श्रम–जल दिया, उसे पहले क्या पाना है ? [ ]
A) दुख B) सुख C) प्रकृति D) जल

उ) यह पद्यांश किस काव्य से लिया गया है ? [ ]
A) रेणुका B) कुरुक्षेत्र C) रश्मिरथी D) उर्वशी

अ) A आ) D इ) A ई) B उ) B

अपठित पद्यांश

1. ओ दीपक ! बुझने के पहले अपनी किरणें बिखराओ ।
बंदी हैं कितनों की सपने
जीवन की पाहन–करा में
कितनों की अभिलाषाएँ भी
बही निराशा की धारा में
हर कोई फिर भी तैर रहा
तिनके का अवलम्ब लिये ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) कवि किससे संबोधन कर रहे हैं ? [ ]
A) मनुष्य से B) समाज से C) दीपक से D) किरणों से

आ) क्या बंदी है ? [ ]
A) सपने B) दीपक C) तिनका D) किरणें

इ) अभिलाषाएँ कहाँ बह गयीं ? [ ]

A) धारा में B) नदी में C) सपनों में D) निराशा की धारा में

ई) हर कोई आशा से क्या कर रहा है ? [ ]

A) सो रहा है B) तैर रहा है C) देख रहा है D) बिखर रहा है

उ) किसे अपनी किरणें बिखराना है ? [ ]

A) दीपक को B) तिनके को C) जीवन को D) अभिलाषा को

अ) C आ) A इ) D ई) B उ) A

2. सावधान मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार ।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी नादान
फूल–काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान ।
खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार
काट लेगा अंग, तीखी है बडी यह धार ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) कवि किसे सावधान रहने को कहता है ? [ ]

A) पशुओं को B) मनुष्य को C) पक्षियों को D) जानवरों को

आ) मनुष्य को किसकी पहचान नहीं है ? [ ]

A) फूलों की B) काँटों की C) फूल–काँटों की D) विज्ञान की

इ) विज्ञान की तुलना किससे की गयी है ? [ ]

A) मोह से B) स्मृति से C) शिशु से D) तलवार से

ई) तलवार लेकर कौन खेल नहीं सकता ? [ ]

A) विज्ञान B) शिशु C) मनुष्य D) जानवर

उ) तू शिशु अभी नादान – इस वाक्य में 'तू' माने कौन है ? [ ]

A) विज्ञान B) मनुष्य C) तलवार D) हाथ

अ) B आ) C इ) D ई) C उ) B

3. सबसे बढकर है आजादी
सिखा गए हैं नेहरू–गांधी !
सबसे सुंदर देश हमारा
दुनिया का सरताज सितारा,
बलिदानों की इस धरती ने
हर दुश्मन की अकड भुला दी !

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) आजादी किससे बढकर है ? [ ]

A) माता से B) पिता से C) गुरु से D) सब से

आ) हमारे नेता क्या सिखा गए हैं ? [ ]

A) आजादी B) बलिदान C) राजनीति D) आंदोलन

इ) बलिदानों की धरती – किसे कहा गया है ? [ ]

A) बंग्ला देश को B) पाकिस्तान को C) रूस को D) भारत को

ई) भारत किसका सितारा है ? [ ]

A) नेताओं का B) आजादी का C) दुनिया का D) देशवासियों का

उ) 'दुश्मन'–शब्द का विलोम शब्द क्या है ? [ ]

A) स्नेह B) मित्र C) दोस्त D) प्यारा

अ) D आ) A इ) D ई) C उ) C

4. नारद जी चल दिए
पहुँचे भक्त के यहाँ
देखा, हल जोत कर आया वह दोपहर को
दरवाजे पहुँचकर राम जी का नाम लिया,
स्नान–भोजन करके
फिर चला गया काम पर
शाम को आया दरवाजे पर फिर नाम लिया ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) नारद जी किसके घर आये ? [ ]

A) भगवान के B) भक्त के C) राजा के D) मुनि के

आ) कौन हल जोतकर घर आया ? [ ]

A) नारद B) भगवान C) मुनि D) किसान

इ) किसान घर कब पहुँचा ? [ ]

A) सुबह को B) दोपहर को C) शाम को D) रात को

ई) भक्त किसका नाम लिया ? [ ]

A) नारद का B) शिव का C) ब्रह्मा का D) राम का

उ) कहाँ पहुँचकर राम नाम जपता था ? [ ]

A) घर पर B) खेत पर C) दरवाजे पर D) मंदिर पर

अ) B आ) D इ) B ई) D उ) C

5. कोयल मुझको जरा बताना
किसने तुझे सिखाया गाना ।
तेरी बोली का मीठापन,
मीठा कर देता है तन–मन ।

तेरी कूक मुझे भाती है,
जब डाल पर बैठ गाती है ।
तेरे गाने इतने भाते
मोर, पपीहे सब शरमाते ।

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) किसकी बोली में मीठापन है ? [ ]

A) मोर के B) पपीहे के C) मैने के D) कोयल के

आ) कवि को क्या भाती है ? [ ]

A) बोली B) मीठा C) कूक D) गाना

इ) कोयल कहाँ बैठकर गाती है ? [ ]

A) पेड पर B) डाल पर C) घर पर D) मिठाई पर

ई) कोयल का गाना सुनकर कौन शरमाते हैं ? [ ]

A) लडके–लडकियाँ B)गायक–गायिका C) मोर–पपीहा D) कवि–कवयित्री

उ) इस कविता में आया हुआ युग्म शब्द क्या है ? [ ]

A) मुझे–तुझे B) भाती–गाती C) भाते–शरमाते D) तन–मन

अ) D आ) C इ) B ई) C उ) D

6. चमक उठी सन् सत्तावन में
वह तलवार पुरानी थी ।
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी ।
खूब लडी मर्दानी वह तो
झाँसीवाली रानी थी ॥

प्रश्नों के उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए ।

अ) झाँसीरानी की तलवार कब उठी थी ? [ ]

A) क्रोध में B) आजादी में C) युद्ध में D) सत्तावन में

आ) तलवार कैसी थी ? [ ]

A) चमकीली B) सुनहरी C) पुरानी D) रंगभरी

इ) बुंदेले हरबोलों के मुँह किसकी कहानी सुनी थी ? [ ]

A) झाँसीरानी की B) झाँसी के राजा की C) तलवार की D) सत्तावन की

ई) मर्दानी कौन थी ? [ ]

A) बुंदेल B) झाँसीरानी C) महाराज D) तलवार

उ) यहाँ किस राज्य के बारे में बताया गया ? [ ]

A) बुंदेल B) मगध C) कलिंग D) झाँसी

अ) D आ) C इ) A ई) B उ) D

लघु उत्तरीय 3 अंकवाले प्रश्न

1. प्रकृति की कौन–कौनसी बातें मन को छू लेती हैं ?

ज:बरसते बादल, गिरती बूँदें, चमकती बिजली, मोर का कूकना, उडती तितलियाँ, पक्षियों की चहचहाहट, इंद्रधनुष, बहता पानी, झरती धाराएँ, उगता सूरज, बर्फीले पहाड, बढता हुआ पौधा, खिलते हुए फूल, फैलती हुई सुगंध आदि प्रकृति की चीजें मन को छू लेती हैं ।

2. वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है । कैसे ?

ज: वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है । वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखनेलायक होती है । पेड–पौधे, पशु–पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक कि धरती भी खुशी से झूम उठती हैं । खेतिबाडी के लिए वर्षा की आवश्यकता है । वर्षा से ही सबकी प्यास बुझती है । बिना वर्षा के सारा संसार निर्जीव बन जाता है ।

3. वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य पर अपने विचार लिखिए ।

ज: वर्षा ऋतु के समय चारों ओर काले बादल छा जाते हैं । मेघ गरजते हैं । बिजली चमकती हैं । वर्षा की बूँदें धाराओं पर धाराएँ धरती पर गिरती हैं । बढता हुआ पौधा, खिलते हुए फूल, फैलती हुई सुगंध, हरियाली, इंद्रधनुष आदि वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौदर्य को बढाते हैं ।

4.हामिद के स्थान पर आप होते तो क्या खरीदते और क्यों ?

ज: हामिद के स्थान पर मैं होता तो मैं भी चिमटा ही खरीदता । क्यों कि चिमटा दादी के लिए अधिक उपयोगी वस्तु है । दादी तवे से रोटियाँ निकालती हैं तो हाथ जल जाते हैं । चिमटा दादी को भेंट करके और भी रोटियाँ बनाकर, गरीबों में बाँटता । ईद का अर्थ भी यही है कि दूसरों को देने में ही खुशी पहुँचती है ।

5. अपनी दादी के प्रति हामिद की भावनाएँ कैसी थीं ? अपने शब्दों में लिखिए ।

ज: हामिद के लिए दादी ही सब कुछ हैं । वह दादी से बहुत प्यार करता था । ईद के मेले में लोहे की दुकान पर चिमटा देखकर वहाँ भी अपनी दादी की याद करता है । उसको ख्याल आता है कि दादी के पास चिमटा नहीं है । अगर चिमटा ले जाकर दादी को दे दें तो वह कितनी प्रसन्न होंगी । गोद में उठाकर प्यार करेंगी । हजारों दुआएँ देती रहेंगी । पडोस की औरतों को दिखाएँगी । स्नेह की भावना और बढ जायेगी । ये अपनी दादी के प्रति हामिद की भावनाएँ थीं ।

6. सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया महकाने के लिए हम क्या–क्या कर सकते हैं?

ज: सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की बगिया महकाने के लिए हम जग के सारे क्लेश को मिटा सकते हैं । विश्व बंधुत्व का मूल मंत्र सरसा सकते हैं । मन में श्रद्धा और प्रेम का अद्भुत दृश्य दिखा सकते हैं ।

7. उलझनों से बचे रहने के लिए हमें कैसी सावधानियाँ लेनी चाहिए ?

ज: उलझनों से बचे रहने के लिए हमें तथ्य दीप को अपनाना चाहिए । खुशियों के दीप जलाना चाहिए । निराशा को दूर भगाकर विश्वास जगाना चाहिए । दिल में प्यार बसाना चाहिए ।

8. निराशावादी और आशावादी के स्वभाव में क्या अंतर होता है ?

ज: निराशावादी सदा निराशा से रहता है । उसमें विश्वास की भावना नहीं रहती । वह हमेशा निष्क्रिय होता है । उसमें देशभक्ति भावना नहीं रहती । वह हमेशा निरुत्साह से रहता है । भविष्य का कोई लक्ष्य नहीं होता ।

आशावादी आशा के साथ रहने के कारण हमेशा उत्साह के साथ रहता है । वह हमेशा सक्रिय और जागरूक रहता है । उसमें देशभक्ति के साथ–साथ त्याग और बलिदान की भावना भरी रहती है । वह भविष्य की योजना बनाकर लक्ष्य प्राप्ति की साधना में रहता है ।

9. कण–कण का अधिकारी कौन है ?

ज: प्रकृति में जो भी वस्तु है, वह मानव मात्र की संपत्ति है । प्रकृति के कण–कण का अधिकारी जन–जन हैं । अर्थात् जो श्रम करता है, वही कण–कण का अधिकारी है ।

10. कवि मेहनत करने वालों को सदा आगे रखने की बात क्यों कर रहे हैं ?

ज: मानव समाज का एक मात्र आधार या भाग्य 'श्रम और भुजबल' हैं । जिसके सामने पृथ्वी और आकाश दोनों झुक जाते हैं । इसलिए जो परिश्रम करता है, उसे सुखों से कभी वंछित नहीं करना चाहिए । जो पसीना बहाकर श्रम करता है, उसी को पहले सुख पाने का पूरा अधिकार है । इसतरह कवि रामधारी सिंह दिनकर जी मेहनत करनेवालों को सदा आगे रहने की बात कर रहे हैं ।

11.अनुचित तरीके से धन अर्जित करने वाला व्यक्ति सही है या श्रम करने वाला ?अपने विचार बताइए ।

ज: अनुचित तरीके से धन अर्जित करने वाला व्यक्ति सही नहीं है । श्रम करनेवाला ही सही है । क्यों कि मेहनत ही सफलता की कुंजी है । श्रम करनेवाला कभी नहीं हारता । हमेशा सफल होता है । श्रम के बल पर यश, संपत्ति प्राप्त करता है।

अनुचित तरीके से धन अर्जित करने वाला व्यक्ति छल से भाग्यवादी बनता है । उसके तरीके दूसरों को नुकसान पहुँचाते हैं । समाज पर इसका बुरा प्रभाव पडता है । इसलिए हर एक को श्रम करना चाहिए ।

12. निबंध में लोकगीतों के किन पक्षों की चर्चा की गयी है ? इसके मुख्यांश बिंदुओं के रूप में लिखिए ?

ज: निबंध में लोकगीतों के अनेक पक्षों की चर्चा की गयी है । लोकगीत अपनी लोच, ताजगी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है । लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं । इनके लिए साधना की जरूरत नहीं होती । त्यौहारों और विशेष अवसरों पर ये गाये जाते हैं ।

लोकगीतों के कई प्रकार हैं । इनका एक प्रकार तो बडा ही ओजस्वी और सजीव है । यह इस देश के आदिवासियों का संगीत है । इनके गीत और नाच अधिकतर साथ–साथ और बडे–बडे दलों में गाये और नाचे जाते हैं ।

13. जैसे–जैसे शहर फैल रहे हैं और गाँव सिकुड रहे हैं, लोकगीतों पर उनका क्या प्रभाव पड रहा है?

ज: गाँवों में वर्षा नियमित रूप से न होने के कारण खेती को और औद्योगीकरण के कारण घरेलू–धंधों को बहुत नुकसान पहुँच रहा है । गाँव के अतिरिक्त शहरों में कई आधुनिक सुविधाएँ मिलती हैं । वहाँ की तडक–भडक से आकर्षित होकर गाँव के लोग शहर आ रहे हैं । इसकारण शहर फैल रहे हैं और गाँव सिकुड रहे हैं ।

शास्त्रीय संगीत के सामने लोकगीतों को हेय समझा जाता है । बडी उपेक्षा की जाती है । इसकारण लोकगीतों पर इनका बहुत बुरा प्रभाव पड रहा है ।

14. सांस्कृतिक दृष्टि से हिंदी का क्या महत्व है ?

ज: सांस्कृतिक दृष्टि से हिंदी का बडा ही महत्व है । यह एक ऐसी भाषा है जो भारतीयों की साँसों में बसी है । यह सबकी संस्कृति, सभ्यता व गरिमा का प्रतीक है । इतना ही नहीं स्वतंत्रता आंदोलन के समय देशवासियों को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए हिंदी भाषा का ही सहारा लिया गया था ।

15. हिंदी देश को जोडने वाली कडी है । इसे अपने शब्दों में सिद्ध कीजिए ।

ज: भारत के सभी प्रांतों से जुडने के लिए एक संपर्क भाषा की आवश्यकता होती है । जिसे सारे भारत के वासी जानते हो । वैसी भाषा ही हिंदी है, जो सारे भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधती है । और सारे भारत की पहचान कराती है । इसप्रकार हम कह सकते हैं कि 'हिंदी देश को जोडनेवाली कडी है'।

16.भारत देश को स्वतंत्र कराने में हिंदी भाषा का क्या योगदान रहा होगा ?

ज: स्वतंत्रता के पूर्व भारत के अलग–अलग प्रांतों में अलग–अलग भाषाएँ बोली जाती थीं । तब भारत के सभी प्रांतों से जुडने के लिए एक संपर्क भाषा की आवश्यकता थी । जिसे सारे भारत के वासी आसानी से सीख सके और समझ सके । यह काम हिंदी से ही साध्य हो सका । क्यों कि भारत में हिंदी जाननेवाले सबसे अधिक थे । इसतरह हिंदी जनता की भाषा बनकर सारे भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधा होगा और भारत देश को स्वतंत्र कराने में हिंदी भाषा का योगदान रहा होगा ।

17. रैदास ने ईश्वर की तुलना चंदन, बादल और मोती से की है । आप ईश्वर की तुलना किससे करना चाहेंगे ? और क्यों?

ज: रैदास ने ईश्वर की तुलना चंदन, बादल और मोती से की है । मैं ईश्वर की तुलना स्याही, खुशबू और बिजली से करना चाहूँगा क्यों कि भक्ति साहित्य में नया इतिहास रचने के लिए भगवान स्याही बनेंगे तो मैं कलम । भक्ति सुगंध को चारों ओर फैलाने के लिए भगवान खुशबू बनेंगे तो मैं जूही । दुनिया के अज्ञान रूपी अंधाकार को मिटाने के लिए भगवान बिजली बनेंगे तो मैं बत्ती ।

18. मीरा की भक्ति भावना कैसी है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

ज: मीराबाई कृष्णोपासक कवयित्रियों में श्रेष्ठ हैं । उनकी भक्ति भावना माधुर्य भाव की है । बचपन से ही मीरा के मन में श्री कृष्ण के प्रति प्रेम–भाव अंकुरित हुआ था । वह श्री कृष्ण को अपना पति मानकर उनकी आराधना करती थी ।

19. एकांकी के आधार पर बताइए कि 'स्वराज्य की नींव' का क्या तात्पर्य है ?

ज: एकांकी के आधार पर 'स्वराज्य की नींव' का तात्पर्य है कि स्वराज्य की स्थापना के लिए भूमि तैयार करना, स्वराज्य की नींव का पत्थर बनना, स्वराज्य की लडाई के लिए सेना को तैयार करना, युद्ध सामग्री संचित करना, अनुशासन युक्त सैनिकों को तैयार करना और स्वराज्य के लिए बलिदान देना ।

20. महारानी लक्ष्मीबाई का कौनसा कथन तुम्हें अच्छा लगा ? क्यों ?

ज: 'हम सब मिलकर या तो स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे ।'–महारानी लक्ष्मीबाई का यह कथन मुझे अच्छा लगा । क्यों कि लक्ष्मीबाई एक नारी होने पर भी वीरांगना बनकर अंग्रेजों से वीरता से मुकाबिला करती रही । युद्ध में जाते समय लक्ष्मीबाई अपनी सखियों से कहती हैं कि हम अपनी मातृभूमि को हासिल करके रहेंगे या आजादी की राह दिखायेंगे ।

21. किसी यात्रा का वर्णन करते हुए अपने अनुभवों को प्रस्तुत कीजिए ।

ज: दशहरे की छुट्टियों में मैं ने हैदराबाद की यात्रा की । हैदराबाद एक ऐतिहासिक स्थान है । मैं ने यहाँ चारमीनार देखा । इसे चार सौ वर्ष पूर्व मुहम्मद कुली कुतुबशाह ने बनवाया था । पास ही दक्षिण भारत की सबसे बडी मसजिद 'मक्का मसजिद' है । सालरजंग संग्रहालय देखकर मेरे आश्चर्य की सीमा न रही । इस संग्रहालय में संगमरमर की कई प्रतिमाएँ हैं । बिर्ला मंदिर भगवान बालाजी का मंदिर है । यह दक्षिण भारत का एकमात्र श्वेत संगमरमर का मंदिर है । उसके बाद गोलकोंडा का किला, कुतुबशाही समाधियाँ, हुस्सेन सागर में बुद्ध प्रतिमा, लुम्बिनी पार्क आदि देखकर मेरी खुशी की सीमा न रही ।

22. आंध्र को अन्नपूर्णा एवं भारत का धान्यागार कहलाने में नदियों का योगदान व्यक्त कीजिए ।

ज: आंध्रप्रदेश में कृष्णा, गोदावरी, पेन्ना, तुंगभद्रा, मंजीरा, वंशधारा आदि नदियों के कारण लाखों एकड भूमि की सिंचाई की जाती हैं । लाखों टन अन्न उत्पन्न होता है । दूसरे राज्यों की तुलना में हमारे राज्य में अधिक अन्न पैदा किया जाता है । इसप्रकार आंध्र को अन्नपूर्णा एवं भारत का धान्यागार कहलाने में नदियों का योगदान रहा है ।

23. चेन्नई से राजमहेंद्री जाते समय लेखक की भावनाएँ कैसी थीं ?

ज: चेन्नई से राजमहेंद्री जाते हुए लेखक को बेजवाडे से आगे सूर्योदय हुआ । बरसात के दिन थे । जहाँ–तहाँ विविध छटावाली हरियाली फैल रही थी । पूर्व की तरफ एक नहर में तितलियों की तरह कतार में नौकाएँ खडी थीं । बीच–बीच में छोटे–छोटे तालाबों में रंग–बिरंगे बादलों वाला आसमान नहाने के लिए उतरता हुआ दिखाई पडा । कहीं–कहीं चंचल कमलों के बीच खामोश खडे हुए बगुलों को देखकर सवेरे की ठंडी–ठंडी हवा का अभिनंदन करने को मन मचल पडा । कोव्वूर स्टेशन आ गया तो गोदावरी मैया के दर्शन होने लगेंगे । चेन्नई से राजमहेंद्री जाते समय लेखक की भावनाएँ ऐसी थीं ।

24. लेखक ने गोदावरी को माता की संज्ञा क्यों दी होगी ?

ज: गोदावरी नदी धीर–गंभीर माता और पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती है । इसके जल में अमोघ शक्ति है । राम–लक्ष्मण और सीता से लेकर बूढे जटायु तक सबको स्तन्य–पान कराया है । इसके तट पर अनेक शूरवीरों, तत्व–ज्ञानियों, साधु–संतों, राजनीतिज्ञों और ईश्वर भक्तों ने जन्म लिया है । चतुर्वर्णों की माता है । इन कारणों से लेखक ने गोदावरी को माता की संज्ञा दी होगी ।

25. रहीम ने जल के महत्व के बारे में क्या बताया है ?

ज: रहीम ने पानी के महत्व के बारे में बताया है । उन्होंने यहाँ 'पानी' शब्द को तीन अर्थों में प्रयुक्त किया है – चमक, इज्जत और जल । वे बताते हैं कि मोती के लिए चमक, मनुष्य के लिए इज्जत और चूने के लिए जल की आवश्यकता है । चमक न होने पर मोती, इज्जत न रहने पर मनुष्य और जल के सूख जाने पर चूना बेकार हो जाते हैं । इसलिए इनकी रक्षा करनी चाहिए ।

26.बिहारी ने सोने की तुलना धतूरे से क्यों की होगी ?

ज: बिहारी ने सोने की तुलना धतूरे से की है । क्यों कि धतूरे की अपेक्षा सोने में सौ गुना ज्यादा नशा है । धतूरा एक नशीला फल है, जिसे खाने से मनुष्य पागल बन जाता है । लेकिन सोना एक ऐसा नशा है, जिसे पाने मात्र से मनुष्य पागल बन जाता है ।

27. 'जल ही जीवन है ।' शीर्षक से आपका क्या अभिप्राय है ?

ज: पेड–पौधे, पशु–पक्षी, मनुष्य हर एक के लिए जल की आवश्यकता होती है । जल के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है । जल में जीवन बसता है और जीवन में जल का महत्व । हम सब जल का महत्व जानकर इसका सदुपयोग करना चाहिए । मेरे अभिप्राय में इस पाठ के लिए 'जल ही जीवन है ।' शीर्षक ही उचित है ।

28. जल स्त्रोतों के रखरखाव के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे ?

ज: जल स्त्रोतों के रखरखाव के बारे में मैं ये सुझाव देना चाहूँगा कि सबसे पहले जल का सही ढंग से इस्तेमाल करें और जल को दूषित होने न दें । वर्षा का पानी बचायें और गड्ढे खोदकर भूमि में पानी का स्तर बनाये रखने की व्यवस्था करें । नदियों का अनुसंधान करें और नदियों का पानी सागर में बह जाने से रोकें ।

29. कलाम के विचार में "आदर्श छात्र" के गुण क्या हैं ?

ज: कलाम के विचार में आदर्श छात्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि उसकी अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर का गुण । ये गुण निस्संदेह आदर्श नागरिक बनायेंगे ।

30. टेसी थॉमस के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है ?

ज: टेसी थॉमस ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ–निश्चय से पुरुष वर्चस्व वाले रक्षा अनुसंधान और विज्ञान के क्षेत्र में सफलता के नये शिखर तय किये हैं । अग्नि–5 कार्यक्रम की निदेशक बनीं । देश के किसी मिजाइल प्रॉजेक्ट की पहली महिला प्रमुख बनने का गौरव प्राप्त किया । इसतरह टेसी थॉमस के जीवन से हमें संदेश मिलता है कि औरतों और युवतियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि वे पुरुषों से कम हैं । इसकी अपेक्षा वे सोचे कि वे भी हर क्षेत्र में पुरुषों के समान है ।

31. अच्छे नागरिक बनने के लिए कौन से गुण होने चाहिए ?

ज: अच्छे नागरिक बनने के लिए अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति आदर, भ्रष्टाचार मुक्त जीवन का निर्वाह, नैतिक मूल्यों का ग्रहण, परिश्रमी बनने का प्रयास, छुट्टी के दिनों में गरीब बच्चों को पढाने का काम, अधिक से अधिक पौधे लगाने का और हमारे राष्ट्र को विकास और समृद्धि के पथ पर ले जाने के गुण होने चाहिए ।

32. टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं । क्यों ?

ज: अंतरिक्ष विज्ञान और मिजाइल के क्षेत्र में दुनिया के मान चित्र में भारत को स्थान दिलाने वाले एक मात्र मिजाइल मैन – ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, टेसी थॉमस के गुरु हैं । डी.आर.डी.ओ में टेसी थॉमस, ए.पी.जे.अब्दुल कलाम के नेतृत्व में काम कर चुकी हैं । उन्होंने ही टेसी थॉमस को प्रेरणा के 'अग्नि पंख' दिये हैं । उनकी नेतृत्व क्षमता बेमिसाल है । इसलिए टेसी थॉमस अब्दुल कलाम को अपना आदर्श मानती हैं ।

दोहे

1. कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत ।
   बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत ॥
2. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून ।
   पानी गये न ऊबरै, मोती मानुष चून ॥
3. कनक–कनक तैं सौ गुनी, मादकता अधिकाइ ।
   उहि खाए बौराइ जग, इहिं पाए बौराइ ॥
4. नर की अरु नल नीर की, गति एकै कर जोइ ।
   जेतौ नीचौ ह्वै चलै, तेतौ ऊँचौ होइ ॥

उपवाचक

1. शांति की परिभाषा क्या हो सकती है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

ज: मन को नियंत्रित कर उसे बुराई के रास्ते पर चलने से रोकना ही शांति की परिभाषा हो सकती है । जहाँ शांति है , वहाँ सुख है, जहाँ सुख है वही स्वर्ग है, जहाँ स्वर्ग है, वही दुनिया का श्रेष्ठ स्थान है । युद्ध, दुख, लालच और सभी पीडाओं को मिटाने का एक मात्र साधन है – 'शांति' ।

2. नेल्सन मंडेला के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है ?

ज: नेल्सन मंडेला के जीवन से हमें यह संदेश मिलता है कि जिसप्रकार मंडेला जी अपने देश में रंगभेद के विरोध में अपना सर्वस्व त्याग दिया । उसी प्रकार हम भी अपने देश और देशवासियों के लिए अपना सर्वस्व त्यागने के लिए तैयार रहना चाहिए । इनका संघर्षमय जीवन हमें शांति की राह में चलने के लिए पथ प्रदर्शित करता है ।

3. मदर तेरेसा ने अपने जीवन में क्या सिद्ध कर दिखाया है ?

ज: मदर तेरेसा ने अपने जीवन में यह सिद्ध कर दिखाया है कि 'मानव सेवा ही माधव सेवा है' । परोपकार के पथ पर चलनेवालों को ही वास्तविक जीवन मिलता है । उन्होंने अपना सारा जीवन गरीब, अनाथ, बीमार और असहाय लोगों की सेवा में लगा दिया । कथनी से कहीं करनी को अधिक महत्व दिया जिससे वह शांति, करुणा, प्रेम व वात्सल्य का पर्याय कहलायी ।

4. " प्रार्थना करनेवाले होठों से कहीं अच्छे सहायता करनेवाले हाथ हैं ।" पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

ज: " प्रार्थना करनेवाले होठों से कहीं अच्छे सहायता करनेवाले हाथ हैं ।" यह पंक्ति महान माता मदर तेरेसा के द्वारा कही गयी हैं । इसका भाव है कि दुनिया में कई गरीब, अनाथ, बीमार और असहाय लोग रहते हैं । इनके लिए केवल प्रार्थना करने से कुछ नहीं होता । बल्कि हमेशा हम उनकी सहायता करनी चाहिए । याने कथनी से कहीं करनी को अधिक महत्व देना चाहिए ।

5. अरुणा व चित्रा दोनों के स्वभाव के बारे में अपने विचार बताइए ।

ज: अरुणा और चित्रा दोनों अच्छी सहेलियाँ थीं । अरुणा साधारण परिवार से थी तो चित्रा धनी पिता की इकलौती बिटिया थी । अरुणा समाज सेविका थी तो चित्रा चित्रकारिनी । अरुणा बस्ती के बच्चों को पढाती और बाढ पीडितों के लिए चंदा इकट्ठा करती थी । तो चित्रा उनमें अपने चित्रों के लिए मॉडल खोजा करती थी । चित्रा भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के चित्र की प्रशंसा में शोहरत पायी थी तो अरुणा उन अनाथ बच्चों को सहारा देकर अपनी ममता दिखायी थी ।

6. चित्रा ने विदेश जाकर क्या किया ? आप के विचार में उसका विदेश जाना सही था ? क्यों ?

ज: चित्रा धनी पिता की इकलौती बिटिया थी । वह अपने पिताजी की अनुमति से अपनी कला को निखारने विदेश गयी । तन–मन से अपने काम में जुट गयी । उसकी लगन के कारण विदेश में उसके चित्रों की धूम मच गयी । चित्रा विदेश जाकर भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के चित्र की प्रशंसा में शोहरत पायी ।

मेरे विचार में उसका विदेश जाना सही था क्यों कि वह विदेश जाकर ही अपनी कला को निखारा और शोहरत पायी । भारत में भी उसका स्वागत और सम्मान हुआ ।

7. अरुणा की ममता पर अपने विचार बताइए ।

ज: अरुणा की ममता पर मेरे विचार है कि अरुणा बडी ही ममता मूर्ति है । अरुणा बस्ती के बच्चों को पढाती और बाढ पीडितों के लिए चंदा इकट्ठा करती थी । चित्रा के मुँह से, दो अनाथ बच्चों की माँ की मौत की खबर सुनकर अरुणा वहाँ जाती है । उन्हें अपने घर ले आकर उनका पालन–पोषण करने लगती है । अपनी सहेली चित्रा से परिचित कराते समय ' मेरे बच्चे हैं ' - कहकर अपनी ममता और मानवता का प्रदर्शन करती है । आजकल ऐसे लोग बहुत कम पाये जाते हैं ।

8. राजू को उसका पुराना स्कूल कैसा लगता था ?

ज: राजू को उसका पुराना स्कूल बहुत अच्छा लगता था । वहाँ उसके बहुत सारे मित्र थे और सभी अध्यापक भी उसे पसंद किया करते थे । वह सबसे खुशी–खुशी मिलता और मुस्कुराकर 'हैलो' कहता । जब भी कोई कठिनाई में होता तो राजू सबसे पहले उसकी मदद के लिए पहुँच जाता । वहाँ कभी किसी ने उसकी कमजोरी की ओर ध्यान नहीं दिया – उसकी टांगे बहुत पतली और दुर्बल थीं ।

9. राजू के प्रति नये स्कूल के साथियों का व्यवहार कैसा था ?

ज: राजू के प्रति नये स्कूल के साथियों का व्यवहार अच्छा नहीं था। जब वह नये स्कूल में प्रवेश किया तो उसकी पतली और दुर्बल टांगों की ओर संकेत करके मजाक उडाते थे। जब राजू ने बताया कि वह एक गाँव के स्कूल से आया है। इस पर छात्रों को हँसी आयी। आधी छुट्टी में जब बाकी सभी लडके खेलने जाते तो वह कक्षा में ही बैठा रहता। अन्य साथी समझते थे कि वह एक 'गंवार' लडका है और उसे अपने गाँव के स्कूल का बडा 'घमंड" है।

10. राजू ने अपने स्कूल को किस तरह उपहार समर्पित किया ?

ज: राजू को नये स्कूल में सब समझते थे कि वह एक 'गंवार' लडका है और उसे अपने गाँव के स्कूल का बडा 'घमंड" है। उसे तो फेल होना ही है। इसलिए राजू ने इस स्थिति से निबटने के लिए एक योजना बनायी। कक्षा में हाथ उठाना बंद कर दिया। वार्षिक परीक्षा के लिए घर पर अधिक परिश्रम किया। परिणाम एक बार फिर वह कक्षा में प्रथम आया था। राजू के हर्ष की तो सीमा ही नहीं थी। इसप्रकार राजू ने अपने स्कूल को सुंदर और समुचित उपहार समर्पित किया।

11. राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई होगी ?

ज: वर्षा न होने के कारण या अनावृष्टि के कारण या उस राज्य में जंगल न होने के कारण या वृक्षारोपण की कमी के कारण या कोई ऐसी भूल जानी–अनजानी बात छिपी होगी जिससे राजा कुमारवर्मा के राज्य में अकाल की स्थिति उत्पन्न हुई होगी।

12. अकाल की समस्या के परिष्कार के लिए राजा ने क्या–क्या उपाय सोचे होंगे ?

ज: अकाल की समस्या के परिष्कार के लिए राजा ने ये उपाय सोचे होंगे। वे–1.राजभंडार का अनाज प्रजा में बाँट दिया होगा। 2. अडोस–पडोस के राज्यों से अनाज उधार लिया होगा। 3. कई बुद्धिमानों और विद्वानों से सलाह ली होगी। 4. खुशहाल किसी राज्य के शासन नियमों का पालन किया होगा। 5.वृक्षारोपण किया होगा। 6.जल संरक्षण के लिए योजनाएँ बनायी होंगी। 7. यज्ञ करवाया होगा।

13. राजा कुमारवर्मा की जगह पर यदि तुम होते तो अकाल की समस्या से कैसे जूझते?

ज: राजा कुमारवर्मा की जगह पर यदि मैं होता तो अकाल की समस्या से इसप्रकार जूझता– 1.राजभंडार का अनाज प्रजा में बाँट देता। 2. अडोस–पडोस के राज्यों से अनाज उधार लेता। 3. कई बुद्धिमानों और विद्वानों से सलाह लेता। 4. खुशहाल किसी राज्य के शासन नियमों का पालन करवाता। 5.वृक्षारोपण करता। 6. जल संरक्षण के लिए योजनाएँ बनाता। 7. यज्ञ करवाता।

निबंधात्मक प्रश्न–पद्य भाग

1.'बरसते बादल' कविता में प्रकृति का सुंदर चित्रण है । उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

कवि परिचय : 'बरसते बादल' कविता के कवि श्री सुमित्रानंदन पंत जी हैं । इनका जन्म सन् 1900 में अल्मोडा के कौसानी नामक गाँव में हुआ । ये प्रकृति के बेजोड कवि माने जाते हैं । इन्हें 'चिदंबरा' काव्य पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ । इनका निधन सन् 1977 में हुआ ।

विषय प्रवेश : वर्षा ऋतु हमेशा सबकी प्रिय ऋतु रही है । वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक होती है । पेड–पौधे, पशु–पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक कि धरती भी खुशी से झूम उठती है । इसी सौंदर्य का वर्णन यहाँ प्रस्तुत किया गया है ।

सारांश : सावन मास में वर्षा के समय मेघ झम–झम बरसते हैं । पेडों से छनकर बूँदें छम–छम करते हुए गिरती हैं । बादलों के घोर अंधकारों के बीच बिजली चम–चम चमक रही है । ऐसे समय दिन के अंधकार में मन के सपने जगते हैं ।

दादुर टर–टर करते हैं । झिल्ली झन–झन बजती है । मोर म्यव–म्यव गाते हैं । चातक के गण पीउ–पीउ करते हैं । सोनबालक उडते हुए आर्द–सुख से वर्षा का क्रंदन करते हैं । मेघ गगन में घुमडते हुए गर्जन भरते हैं । रिमझिम–रिमझिम वर्षा की बूँदों के स्वर क्या कुछ नहीं कहते ? जब वे छूते भीतर हमारे रोम सिहर उठते हैं । सूखी धरती पर धाराओं पर धाराएँ बहती हैं । ऐसे समय मिट्टी के कण–कण में कोमल अंकुर फूटते हैं ।

ऐसे समय कवि का मन वर्षा की धारा पकडकर झूलना चाहता है । और सबको सावन के गीत गाने को, इंद्रधनुष के झूले में झूलने को और ऐसे मनभावन सावन हमारे जीवन में फिर–फिर आने के लिए कहते हैं ।

विशेषताएँ : 1. यह कविता नाद के साथ गेय योग्य है ।

2. इस कविता में अनुप्रास अलंकार का सुंदर प्रसंग है ।

2. 'हम भारतवासी' कविता का सारांश लिखिए ।

कवि परिचय : 'हम भारतवासी' कविता के कवि श्री आर.पी.निशंक है । वे आधुनिक हिंदी साहित्यकारों में विशिष्ट स्थान रखते हैं । इनकी रचनाओं का मुख्य प्रतिपाद्य 'देशभक्ति' है । समर्पण, नवंकुर, मातृभूमि के लिए आदि इनकी रचनाएँ हैं ।

विषय प्रवेश : भारत प्राचीन देश है । यहाँ की संस्कृति और सभ्यता सारे विश्व को लुभाती है । देशभक्तों की पावन भूमि है । आज यहाँ का बच्चा–बच्चा भी इनके मार्ग पर चलकर विश्वशांति व विश्वबंधुत्व की पवित्र भावनाओं से दुनिया को पावन धाम बनाना चाहता है ।

सारांश : कवि कहते हैं कि भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनाना चाहते हैं । हर एक के मन में श्रद्धा और प्रेम का अद्भुत दृश्य दिखाना चाहते हैं । भारतवासी समाज में व्याप्त ऊँच–नीच का भेद

मिटाकर दिल में प्यार बसाना चाहते हैं । नफरत का कुहासा तोडकर अमृत रस सरसाना चाहते हैं । निराशा को दूर भगाकर विश्वास जगाना चाहते हैं ।

भारतवासी उलझन में उलझे लोगों को वास्तविक जीवन दिखाना चाहते हैं । जो लोग जीवन पथ से भटक गये हैं, उन्हें सही राह दिखाना चाहते हैं । सबके जीवन में खुशियों के दीप जलाना चाहते हैं ।

भारतवासी सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पण की बगिया महकाना चाहते हैं । संसार के सारे दुखों को मिटाकर, धरती को स्वर्ग बनाना चाहते हैं । दुनिया में विश्वबंधुत्व का मूल मंत्र सरसाना चाहते हैं ।

विशेषताएँ : 1. यह कविता देशभक्ति भावना पर आधारित है ।

2. यह गेय कविता है ।

3. यह कविता बच्चों में सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण की भावना जागृत कराती है ।

3. 'कण–कण का अधिकारी' कविता द्वारा कवि ने मजदूरों के अधिकारों का वर्णन कैसे किया है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

कवि परिचय : 'कण–कण का अधिकारी' कविता के कवि डॉ.रामधारी सिंह दिनकर जी हैं । इनका जन्म सन् 1908 में बिहार के मुंगेर में हुआ । ये हिंदी के राष्ट्रकवि भी हैं । इन्हें 'उर्वशी' काव्य पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ । इनकी मृत्यु सन् 1974 में हुई ।

विषय प्रवेश : प्रस्तुत कविता कुरुक्षेत्र से ली गयी है । मेहनत ही सफलता की कुँजी है । मेहनत करनेवाला व्यक्ति कभी नहीं हारता । वह हमेशा सफल होता है । क्यों कि काल्पनिक जगत को साकार रूप देनेवाला वही है । इसके कण–कण के पीछे उसी का श्रम है । इसलिए वही कण–कण का अधिकारी है ।

सारांश : प्रस्तुत कविता में भीष्म पितामह, कुरुक्षेत्र युद्ध से विचलित धर्मराज को आधुनिक समस्याओं के बारे में उपदेश देते हुए कहते हैं कि हे धर्मराज ! एक मनुष्य पाप के बल से धन इकट्ठा करता है तो दूसरा उसे भाग्यवाद के छल से भोगता है । मानव समाज का एक मात्र आधार या भाग्य 'श्रम और भुजबल' हैं । जिसके सामने पृथ्वी और आकाश दोनों झुक जाते हैं ।

इसलिए जो परिश्रम करता है, उसे सुखों से कभी वंछित नहीं करना चाहिए । जो पसीना बहाकर श्रम करता है, उसी को पहले सुख पाने का पूरा अधिकार है । याने मेहनत करनेवालों को सदा आगे रहकर सुख पाना चाहिए ।

प्रकृति में जो भी वस्तु है, वह मानव मात्र की संपत्ति है । प्रकृति के कण–कण का अधिकारी जन–जन हैं । अर्थात् जो श्रम करता है, वही कण–कण का अधिकारी है ।

विशेषताएँ : 1. इस कविता की भाषा ओजपूर्ण व प्रेरणाप्रद है ।

2. इस कविता में श्रम और भुजबल को अधिक महत्व दिया गया है ।

निबंधात्मक प्रश्न–गद्य भाग

1. 'ईदगाह' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

लेखक का परिचय : 'ईदगाह' कहानी के कहानीकार प्रेमचंद जी हैं । इनका जन्म सन् 1880 को काशी में हुआ । इनके बचपन का नाम धनपतराय श्रीवास्तव था । इन्होंने लगभग एक दर्जन उपन्यास और ढाई सौ कहानियों की रचना की । इन्हें 'उपन्यास सम्राट' भी कहते हैं । इनके उपन्यासों में गोदान, गबन और कहानियों में पंचपरमेश्वर, कफन आदि प्रमुख हैं ।

विषय प्रवेश : प्राचीनकाल से ही नैतिक मूल्य भारतीय जीवन के प्रतिबिंब रहे हैं । इसका रूप हर भारतीय में समा हुआ है । हम अपने बुजुर्गों का बडा ध्यान रखते हैं । जैसे इस कहानी में दर्शाया गया है –

सारांश : मुसलमानों का पवित्र माह रमजान के पूरे तीस रोजों के बाद आज ईद आयी है । ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं । हामिद, भोली सूरत का चार–पाँच साल का दुबला–पतला लडका था । उसके माँ–बाप दोनों बीमारी के कारण मर गये थे । दादी अमीना ही हामिद की देख भाल कर रही है । हामिद के पाँव में जूते नहीं है, सिर पर एक पुरानी टोपी है, जिसका गोटा काला पड गया है । फिर भी वह प्रसन्न है ।

हामिद बच्चों के साथ ईदगाह जाता है । नमाज पूरी होते ही सब बच्चे मिठाई और खिलौने खरीदते हैं । हामिद के पास केवल तीन पैसे हैं । इसलिए दोस्तों को खिलौने और मिठाई खरीदते ललचाई आँखों से देखता है ।

अंत में लोहे की चीजों की दुकानें आती हैं । हामिद सोचता है कि दादी के पास चिमटा नहीं है । तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाते हैं । अगर चिमटा ले जाकर दादी को दे दें, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी ? फिर दादी की ऊँगलियाँ कभी नहीं जलेंगी । दोस्तों के मजाक करने पर भी तीन पैसे में दादी के लिए चिमटा खरीदता है ।

घर जाकर दादी को चिमटा भेंट करता है तो दादी अमीना उस पर क्रोध करती है । तब हामिद ने अपराधी भाव से कहा–'तुम्हारी ऊँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, यह मुझसे देखा न जाता था अम्मा । इसलिए मैं इसे लिवा लिया ।

यह सुनकर दादी का क्रोध स्नेह में बदल गया । यह मूक स्नेह था । हामिद का त्याग, सद्भाव और विवेक को देखकर अमीना का मन गदगद हो गया । आँचल फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जाती हैं ।

विशेषताएँ : 1. इस कहानी में दादी व पोते का मार्मिक प्रेम का वर्णन हुआ है ।

2. इसमें बाल्यावस्था की निर्मल भावनाओं का सुंदर चित्रण है ।

2. ' लोकगीत' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

लेखक का परिचय : 'लोकगीत' निबंध के निबंधकार भगवतशरण उपाध्याय है । ये हिंदी साहित्य के सुपरिचित रचनाकार हैं । इनका जन्म सन् 1910 में हुआ । विश्व साहित्य की रूपरेखा, कालिदास का भारत, गंगा गोदावरी आदि इनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं ।

विषय प्रवेश : हमारी संस्कृति में लोकगीत और संगीत का अटूट संबंध है । मनोरंजन की दुनिया में आज भी लोकगीतों का महत्वपूर्ण स्थान है । गीत–संगीत के बिना हमारा मन रसा से नीरस हो जाता है, प्रस्तुत निबंध में भारतीय लोकगीत का वर्णन बडे ही सुंदर ढंग से किया गया है ।

सारांश : लोकगीत अपनी लोच, ताजगी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न है । लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं । इनके लिए साधना की जरूरत नहीं होती । त्यौहारों और विशेष अवसरों पर ये गाये जाते हैं । स्त्रियों ने भी इनकी रचनाओं में विशेष भाग लिया है । ये गीत ढोलक, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाये जाते हैं ।

लोकगीतों के कई प्रकार हैं । इनका एक प्रकार तो बडा ही ओजस्वी और सजीव है । यह इस देश के आदिवासियों का संगीत है । इनके गीत और नाच अधिकतर साथ–साथ और बडे–बडे दलों में गाये और नाचे जाते हैं । पहाडियों के अपने–अपने गीत हैं । इनके गाने की अपनी–अपनी विधियाँ हैं । वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में हैं । इनमें बडी जान होती हैं । जैसे–चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि । बाऊल और भतियाली बंगाल में, माहिया पंजाब में और ढोला–मारू राजस्थानी में बडे चाव से गाये जाते हैं ।

भोजपुरी में बिदेसिया का प्रचार हुआ है । इन गीतों में अधिकतर रसिकप्रियों और प्रियाओं की बात रहती है । इनसे करुणा और विरह का रस बरसता है । बुंदेलखंडी में 'आल्हा' के गीत लोकप्रिय हैं । इन गीतों का संबंध विशेषत: स्त्रियों से हैं । इन्हें सिरजती भी अधिकतर वही है । बारहमासे पुरुषों के साथ नारियाँ भी गाती हैं ।

गुजरात का दलीय गायन 'गरबा' और होली के अवसर पर ब्रज में 'रसिया' सभी प्रांतों में लोकप्रिय हो चले हैं । गाँव के गीतों के वास्तव में अनंत प्रकार हैं । उद्दाम जीवन के ही वहाँ के अनंत संख्यक गाने के प्रतीक हैं ।

विशेषताएँ : 1. इस निबंध के द्वारा छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है ।

2. इस निबंध के द्वारा लोकगीतों के सृजन के लिए प्रेरित कर सकते हैं ।

3. 'स्वराज्य की नींव' एकांकी को अपने शब्दों में कहानी के रूप में लिखिए ।

लेखक का परिचय : 'स्वराज्य की नींव' एकांकी के एकांकीकार श्री विष्णु प्रभाकर है । इनका जन्म सन् 1912 में हुआ । ये प्रेमचंद परंपरा के आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक हैं । इन्हें 'आवारा मसीहा' रचना पर 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' और भारत सरकार के द्वारा 'पद्म भूषण' प्राप्त हुआ ।

विषय प्रवेश : "खूब लडी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी"–सुभद्रा कुमारी चौहान की यह पंक्ति लक्ष्मीबाई की वीरता को प्रकट करती है । लक्ष्मीबाई ने यह सिद्ध कर दिखाया कि अबला हमेशा अबला नहीं रहती । आवश्यकता पडने पर वह सबला भी बन सकती है । लक्ष्मीबाई ने सच्चे अर्थों में देश की स्वतंत्रता की नींव रखी थी । प्रस्तुत पाठ में देश के प्रति उनकी कर्मपरायणता के बारे में बताया जा रहा है ।

सारांश : अंग्रेजों ने राज्य संक्रमण सिद्धांत को अपनाकर झाँसी, कालपी, ग्वालियर आदि राज्यों पर आक्रमण करना चाहते थे । झाँसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई इसका डटकर विरोध किया ।

शिबिर में लक्ष्मीबाई, जूही बैठकर बातें कर रही थीं । तब लक्ष्मीबाई के मन में शंका थी कि कही झाँसी हाथ से निकल न जाय । तब जूही उन्हें सांत्वना देती हुई कहती है कि रानी आप गीता पढती हैं । फिर यह निराशा कैसी ? फिर बाबा गंगादास की अमूल्य बातें याद दिलाती है कि स्वराज्य प्राप्ति से बढकर है स्वराज्य की स्थापना के लिए भूमि तैयार करना, स्वराज्य की नींव का पत्थर बनना । सफलता और असफलता दैव के हाथ में है ।

जूही की बातें सुनकर लक्ष्मीबाई में फिर उत्साह भर जाता है । दोनों राव साहब और सेनापति तात्या के विलासिता व्यवहार पर चर्चा करने लगती हैं । इतने में वहाँ मुंदर आती है । तीनों मिलकर सेना के संबंध में बातें कर रही थी । इतने में रघुनाथराव आकर बताता है कि जनरल रोज की सेना ने मुरार में पेशवा की सेना को हरा दिया । यह सुनकर जूही काँप जाती है ।

फिर रानी की आज्ञा पाकर रघुनाथराव जनरल रोज के खिलाफ कूच के लिए तैयार होता है । वे जाते ही तात्या प्रवेश करते हैं । रानी तांत्या को लक्ष्य करके कहती हैं कि हमें स्वामिभक्तों की नहीं, देशभक्तों की आवश्यकता है । जाकर तलवार संभाल लो । नूपुरों की झंकार के स्थान पर तोपों का गर्जन होने दो । भूल जाओ राग–रंग । याद रखो, हमें स्वराज्य लेना है । हमें रणभूमि में मौत से जूझना है । और कहती हैं कि यह मेरे जीवन का अंतिम युद्ध है । जीत हो या हार, मुझे चिंता नहीं । लेकिन हमारी वीरता कलंकित न होने पाये । हम सब मिलकर या तो स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे । इसप्रकार झाँसी लक्ष्मीबाई स्वराज्य की नींव डाली ।

विशेषताएँ : 1. यह एक ऐतिहासिक घटना प्रधान एकांकी है ।

2. प्रस्तुत एकांकी छात्रों में देश के लिए समर्पित होने की भावना का विकास कराता है ।

पत्र–लेखन

औपचारिक

1. बहिन की शादी में सम्मिलित होने के लिए एक सप्ताह की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखो ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाध्यापक जी,

जिला परिषद उन्नत पाठशाला,

कडपा ।

माननीय महोदय,

सादर प्रणाम ।

मेरी बडी बहिन की शादी अगले सप्ताह तिरुपति में होनेवाली है । बंधु–मित्रों को निमंत्रण पत्र बाँटने और घर में माता– पिता की सहायता करनी है । इसलिए मैं एक सप्ताह पाठशाला में नहीं आ सकता । कृपया मुझे 11–11–2014 से 17–11–2014 तक एक सप्ताह छुट्टी प्रदान करें ।

धन्यवाद ।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

राजशेखर,

दसवीं कक्षा,

क्रमसंख्या : 05.

2. आवश्यक पुस्तकें माँगते हुए पुस्तक विक्रेता के नाम पत्र लिखो ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

प्रेषक

मनोहर,

दसवीं कक्षा,

जिला परिषद उन्नत पाठशाला,

कडपा ।

सेवा में,

श्री व्यवस्थापक जी,

पुस्तक विक्रय विभाग,

राजकमल बुक सेंटर,

हैदराबाद ।

महोदय,

नमस्कार ।

मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की आवश्यकता है । इस पत्र को देखते ही पुस्तकों को वि.पि.पि. के द्वारा शीघ्र भेजने की कृपा करें । आपके नियमानुसार अग्रिम धनराशि के रूप में 100/– रुपये भेज रहा हूँ । अत: आप 15 प्रतिशत छूट भी देने की कृपा करें ।

क्रमसंख्या	पुस्तकों के नाम	प्रतियाँ
1.	हिंदी सुगंध–2	05
2.	हिंदी तेलुगु कोश	03
3.	सरल हिंदी व्याकरण	02
	कुल	10

धन्यवाद ।

आपका,

मनोहर ।

3. कॉलेज में दाखिल होने के लिए किसी कॉलेज के प्रधानाचार्य के नाम पर प्रार्थना पत्र लिखो ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

प्रेषक

समीर बाषा,

1/339 कलाम नगर,

कडपा ।

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

सरकारी जूनियर कॉलेज,

कडपा ।

माननीय महोदय,

सादर प्रणाम ।

मैं 2014 मार्च की यस.यस.सी. परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ हूँ । मैं जिला परिषद उन्नत पाठशाला, राजंपेट का छात्र हूँ । मुझे परीक्षा में 80(अस्सी) प्रतिशत अंक मिले हैं । मैं आपके कॉलेज में इंटर एम.पी.सी. विषय लेकर पढना चाहता हूँ । आपके कॉलेज के नियमों का पूरा पालन करूँगा । इस आवेदन पत्र के साथ अंक सूचि की प्रतिलिपि भी भेज रहा हूँ । कृपया मुझे प्रवेश की अनुमति प्रदान करें ।

धन्यवाद ।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

समीर बाषा ।

4. स्वास्थ्य निरीक्षक के नाम एक शिकायती पत्र लिखिए ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

<u>प्रेषक</u>

खादरवल्ली,

रवींद्र नगर,

कडपा ।

सेवा में,

कमीशनर,

कडपा नगर निगम,

कडपा ।

माननीय महोदय,

नमस्कार ।

आपके जैसे कुशल एवं कर्तव्यनिष्ठ कमीशनर को हमारे नगर निगम के प्रधान के पद पर नियुक्त पाकर हम सचमुच प्रसन्न है ।

पर इधर कुछ दिनों से भारी वर्षा के कारण नगर की सफाई का काम सुचारू रूप से नहीं हो रहा है । पूरी सडकें गंदगी से भरी पडी है । आना–जाना असह्य हो गया है । मच्छरों की संख्या भी बढ गयी है । गलियों से बदबू निकल रही है । इतने जन –निबिड इस नगर में जनता के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सफाई की व्यवस्था अत्यावश्यक बन गयी है । अन्यथा कई बीमारियाँ फैलने की आशंका है ।

आप से प्रार्थना है कि शीघ्र ही इस बुरी दशा से नगर की रक्षा करने के आवश्यक कदम उठाएँ ।

पूर्ण सहयोग की आशा में ।

आपका,
खादरवल्ली ।

5. अपनी कक्षा के छात्र–छात्राओं के साथ विहारयात्रा जाने के लिए अनुमति माँगते हुए पिताजी के नाम पत्र लिखो ।

कडपा,
दिनांक: 11–11–2014.

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि आप सब सकुशल हैं । मैं वार्षिक परीक्षाओं के लिए खूब तैयारी कर रहा हूँ।

अगले सप्ताह हमारी पाठशाला के छात्र–छात्राएँ विहारयात्रा के लिए हैदराबाद जा रहे हैं । हमारे साथ हमारे अध्यापक भी आयेंगे । हैदराबाद एक ऐतिहासिक स्थान है । इसलिए मैं भी हैदराबाद देखने जाना चाहता हूँ । अत: आप जाने के लिए अनुमति देते हुए खर्च के लिए 700/– रुपये भेजने की कृपा करें ।

घर में माताजी को मेरा प्रणाम । भाई और बहिन को मेरा प्यार ।

आपका प्रिय पुत्र,
रमेश ।

पता
पुल्लय्या,
1/339 रवींद्र नगर,
सडक संख्या: 23,
तिरुपति ।

अनौपचारिक

1.किसी ऐतिहासिक स्थान का वर्णन करते हुए मित्र के नाम पत्र लिखो ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

प्रिय मित्र सुरेश ,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । मैं इस पत्र में पिछले सप्ताह की गयी ऐतिहासिक स्थान की यात्रा का वर्णन कर रहा हूँ ।

हम यात्रा के लिए हैदराबाद देखने गये थे । हैदराबाद एक ऐतिहासिक स्थान है । यहाँ देखने लायक कई स्थान हैं । हमने यहाँ चारमीनार, गोलकोंडा का दुर्ग, विधानसभा भवन, लुम्बिनी पार्क, नेहरू जंतु संग्रहालय, सालरजंग संग्रहालय, उस्मानिया विश्व विद्यालय, राजीवगाँधी हवाई अड्डा आदि देखें । ये सब देखकर हमें बहुत ही आनंद प्राप्त हुआ ।

तुम भी हैदराबाद देखने जरूर जाना । तुम्हारे माता–पिता को मेरा प्रणाम । तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा में ।

तुम्हारा प्रिय मित्र,

श्रीनिवासुलु।

पता
सुरेश,
1/339 शरीफ नगर,
सडक संख्या: 23,
विजयवाडा ।

2. अपने मित्र को पत्र लिखकर अपनी भावी योजनाओं के बारे में बताइए ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

प्रिय मित्र षफी,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सकुशल हो। मैं वार्षिक परीक्षाओं के लिए खूब तैयारी कर रहा हूँ।

मैं इस पत्र में अपनी भावी योजनाओं के बारे में बताना चाहता हूँ । दसवीं कक्षा के बाद हिंदी परीक्षाएँ जैसे विद्वान या प्रवीणा लिखकर उसके बाद हिंदी प्रशिक्षण करूँगा । अध्यापन कार्य

एक सेवा कार्य है । इसलिए हिदी अध्यापक बनकर हिंदी की सेवा करूँगा । क्यों कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा और राजभाषा है । हिंदी की सेवा करना देशभक्ति का कार्य है । हिंदी के प्रति समाज और छात्रों में सुधार लाऊँगा ।

तुम्हारे माता–पिता को मेरा प्रणाम । तुम भी अपनी भावी योजनाओं के बारे में पत्र लिखना । तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा में ।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
चांद बाषा ।

पता
षफी,
6/686 अशोक नगर,
सडक संख्या: 23,
विजयवाडा ।

3. अपने स्कूल के वार्षिकोत्सव का वर्णन करते हुए मित्र के नाम पत्र लिखो।

कडपा,
दिनांक: 11–11–2014.

प्रिय मित्र वेंकट ,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । पिछले सप्ताह हमारे स्कूल का वार्षिकोत्सव बडी ही धूम–धाम से मनाया गया । मैं इस पत्र में इसका वर्णन कर रहा हूँ ।

स्कूल रंग– बिरंगे कागजों से, बिजली की बत्तियों से सजाया गया । जिला शिक्षाधिकारी वार्षिकोत्सव सभा के सभापति बनें । प्रार्थना गीत से सभा आरंभ हुई । प्रधानाध्यापक जी ने वार्षिक निवेदन पढकर सुनाया । कई बुजूर्गों ने भाषण दिये । उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और विजेताओं को पुरस्कार दिये गये । इस वार्षिकोत्सव सभा के आयोजनों में मैं भी सक्रिय भाग लिया । राष्ट्र–गान के साथ वार्षिकोत्सव सभा समाप्त हुई ।

तुम भी अपने स्कूल के वार्षिकोत्सव की विशेषताओं के साथ पत्र लिखो । तुम्हारे माता–पिता को मेरा प्रणाम । तुम्हारे पत्र की प्रतीक्षा में ।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
सुरेंद्रा ।

पता
वेंकट ,
6/686 अशोक नगर,
सडक संख्या: 23,
विजयवाडा ।

4. दशहरे की छुट्टियाँ मनाने के लिए आमंत्रित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

प्रिय मित्र महबूब,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । अगले सप्ताह दशहरे की छुट्टियाँ आनेवाली हैं । इसलिए मैं तुम्हें इन छुट्टियों में हमारे गाँव आमंत्रित कर रहा हूँ ।

हमारे गाँव में दशहरा बडी धूम–धाम से मनाया जाता है । हमारे गाँव में देवी को कीमती आभूषणों से सजाया जाता है । यहाँ का मेला बहुत प्रसिद्ध है । सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होता है । बडी ही आतिशबाजी होती है । भक्त लोग दूर–दूर से आते हैं ।

इस विषय में मैं ने हमारे माता–पिता से अनुमति ले ली है । तुम भी अपने माता–पिता से अनुमति लेकर जरूर आना । तुम्हारे माता–पिता को मेरा प्रणाम । तुम्हारी प्रतीक्षा में ।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
सुरेश ।

पता
महबूब ,
6/686 अशोक नगर,
सडक संख्या: 23,
विजयवाडा ।

5. हिंदी भाषा सीखने की आवश्यकता बताते हुए अपने भाई के नाम पत्र लिखो ।

कडपा,

दिनांक: 11–11–2014.

प्रिय भाई रामकृष्णा,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा करता हूँ कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । मुझे यह जानकर बडी प्रसन्नता हुई कि तुम खूब पढ रहे हो । मेरी सलाह है कि तुम हिंदी भी सीखना शुरु कर दो । क्यों कि– अ) विश्व की दूसरी भाषा हिंदी है ।

आ) हिंदी हमारे देश की राष्ट्र–भाषा और राजभाषा है ।

इ) हिंदी की लिपि देवनागरी होने के कारण आसान भाषा है ।

ई) हिंदी सीखने से देश भर में घूम सकते हैं ।

उ) उत्तर भारत में ज्यादातर हिंदी ही बोली जाती है ।

ऊ) कई लोगों की रोजगारी भी हिंदी है ।

इन कारणों से और परीक्षाओं की दृष्टि से भी तुम हिंदी सीखना शुरु कर दो । घर में माताजी और पिताजी को मेरा प्रणाम । भाई और बहिन को मेरा प्यार ।

तुम्हारा प्रिय भाई,

राजीव ।

<u>पता</u>

रामकृष्णा,

1/339 अशोक नगर,

सडक संख्या: 23,

विजयवाडा ।

निबंध –लेखन

किसी एक त्यौहार या दीपावली का वर्णन

प्रस्तावना : भारत एक प्राचीन देश है । यहाँ अनेक प्रकार के त्यौहार मनाये जाते हैं, उनमें 'दीपावली' एक है । दीपावली हिंदुओं का प्रसिद्ध और प्रमुख त्यौहार है । यह त्यौहार प्रति वर्ष आश्वयुज मास की अमावस्या के दिन बडी धूम–धाम से मनाया जाता है ।

दीपावली का अर्थ : दीपावली का अर्थ – 'दीपों का समूह' । दीपों के प्रकाश में अमावास्या की रात पूर्णिमा जैसी लगती है । इसलिए दीपावली को 'प्रकाश का पर्व' कहते हैं । इस दिन लोग अपने घरों को साफ रखते हैं , इसलिए यह 'स्वच्छता का त्योहार' भी है ।

दीपावली का उद्देश्य : त्यौहार सब लोग भक्ति और श्रद्धा से मनाते हैं । इस दिन लोग बहुत खुशी से रहते हैं । मानव जीवन में होनेवाली समस्याओं को दूर करके मनुष्य को उत्तेजित करना ही इस त्यौहार का प्रमुख उद्देश्य है ।

दीपावली के संबंध में पौराणिक कहानियाँ : दीपावली मनाने के कई पौराणिक कहानियाँ बतायी जाती हैं । पहला, श्री कृष्ण ने सत्यभामा के साथ चतुर्दशी के दिन नरकासुर नामक राक्षस का वध किया । दूसरा, श्री राम जी अत्याचारी रावण का वधकर, सीता और लक्ष्मण समेत् अयोध्या लौटे थे । तीसरा , इस दिन भगवान महावीर का निर्वाण प्राप्त हुआ था ।

दीपावली से लाभ : दीपावली मनाने से कई लाभ हैं । वे–

अ) इस दिन लोग अपने परिवार और बंधुओं के साथ मिल बैठकर खुशियाँ मनाते हैं ।

आ) वर्षा ऋतु की समाप्ति होकर शरद ऋतु का आगमन होता है। याने वर्षा से फैली गंदगी दूर होती है ।

इ) व्यापारी लोग लक्ष्मी की पूजा करके व्यापार का नया दिन आरंभ करते हैं।

ई) सायंकाल चारों ओर दीपमालाओं की जगमगाहट होती है ।

उ) बच्चे–बूढे, स्त्री–पुरुष सभी खुशी–खुशी फटाके उडाते हैं ।

दीपावली से नष्ट : दीपावली मनाने से कुछ नष्ट भी हैं । वे–

अ) पैसा ज्यादा खर्च होता है ।

आ) फिजूल खर्च भी अधिक है ।

इ) फटाकों को जलाते समय शरीर, हाथ और घर जल जाने की संभावना है ।

उपसंहार : दीपावली मनाने से कुछ हानियाँ होने पर भी यह त्यौहार अधिक उल्लास और आनंद देनेवाला है । अत: सावधानी से व्यवहार करते तो यह त्यौहार हमें आनंद ही देगा ।

पर्यावरण और प्रदूषण

प्रस्तावना : पर्यावरण का अर्थ है – "वातावरण"। पर्यावरण हर प्राणी का रक्षा कवच है । पर्यावरण के संतुलन से मानव का स्वास्थ्य अच्छा रहता है । विश्व भर की प्राणियों का जीवन पर्यावरण की स्थिति याने 'स्वच्छ वायु और स्वच्छ जल' पर निर्भर है । प्रदूषण उत्पन्न होने का प्रमुख कारण जनसंख्या विस्फोट है।

प्रदूषण के प्रकार : आधुनिक युग में मुख्य रूप से चार प्रकार के प्रदूषण फैल रहे हैं।

अ) भूमि प्रदूषण **आ)** जल प्रदूषण

इ) वायु प्रदूषण **ई)** ध्वनि प्रदूषण

प्रदूषण फैलने के कारण : पर्यावरण में प्रदूषण फैलने के कई कारण हैं । वे–

अ) पशु–पक्षी और मनुष्य हवा में से आक्सिजन लेकर कार्बन–डाई–आक्साईड को छोडते हैं । इससे आसपास का वातावरण प्रदूषित होता है ।

आ) आजकल कल–कारखाने धुँआ उगलते हैं । इनके कारण वायु प्रदूषण बढ जाता है ।

इ) कारखानों से, घरेलू स्त्रोतों से लगातार कूडा–कचरा नदियों में प्रवाहित कर दिया जाता है । इनसे जल, वायु और भूमि प्रदूषण फैलता है ।

ई) बढती जनसंख्या के कारण वाहन लगातार धुँआ उगलते और शोर मचाते हैं । इनसे वायु और ध्वनि प्रदूषण फैलता है ।

प्रदूषण रोकने के उपाय : पर्यावरण में प्रदूषण को रोकने में हम सब सहयोग दे सकते हैं । सबसे पहले तो गंदगी न फैलाएँ और दूसरी यह कि फैली हुई गंदगी को साफ करने में सहयोग दें । अपने आसपास की नालियों को साफ रखें । कूडा–कचरा जहाँ–तहाँ न फेंकें और न ही नदी–नाले में बहायें । खुले में मलमूत्र विसर्जित न करें । जंगल के वृक्ष न काटें । परंपरागत ईधन का उपयोग कम करें । ऐसा करने से प्रकृति का भंडार सदा भरा रहता है ।

उपसंहार : पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है । हमारे स्वास्थ्य जीवन का आधार साफ–सुथरा पर्यावरण है । पर्यावरण की रक्षा करना हमारा दायित्व है । पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए वृक्षारोपण सर्वश्रेष्ठ साधन है । प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार को कानून बनाना चाहिए ।

कंप्यूटर

प्रस्तावना : आज का युग विज्ञान का युग है । मानव की सुख– सुविधाओं के लिए वैज्ञानिकों ने कई आविष्कार किये । उनमें 'कंप्यूटर' एक है । इसे हिंदी में 'संगणक' कहते हैं । मानव की बौद्धिक शक्ति की बचत करने के लिए इसका आविष्कार हुआ है । इसका आविष्कार 19 वीं शताब्दी में 'चार्लेस बाबेज' ने किया ।

कंप्यूटर का विकास : पहले कंप्यूटर वैमानिक तथा सैनिक क्षेत्रों में उपयोगी था । आज पारिवारिक , कार्यालय, संगीत, उपग्रह एवं अंतरिक्ष शोध में भी इसका उपयोग हो रहा है । इसमें कमान्ड्स दबाने से आवश्यक समाचार पा सकते हैं ।

कंप्यूटर की कार्य प्रक्रिया : कंप्यूटर के पाँच विभाग होते हैं । 1. इनपुट 2. अवुटपुट 3. प्रोसेसर एवं मेमरी 4. अर्थमेटिक 5. कंट्रोल

कंप्यूटर मानव द्वारा निर्देशित निपुण यंत्र है । डेटा, इनपुट विभाग द्वारा देने पर मेमरी में संग्रहित होता है । यह अर्थमेटिक में विश्लेषित होकर अवुटपुट द्वारा दर्शाया जाता है । इन सब कार्यों को कंट्रोल विभाग नियंत्रित करता है । इसकी गति आश्चर्यजनक है । कंप्यूटर को हम आधुनिक मानव मस्तिष्क से तुलना कर सकते हैं । अंतर यही है कि मानव मस्तिष्क से स्वयं सोच सकता है । कंप्यूटर स्वत: सोच नहीं सकता ।

कंप्यूटर से लाभ : कंप्यूटर से कई लाभ हैं । वे–

अ) परीक्षा पत्र की तैयारी और उनकी जाँच भी करता है ।

आ) कठिन आँकडों को आसानी से सुलझा सकता है ।

इ) चिकित्सा के क्षेत्र में इसका उपयोग सराहनीय है ।

ई) रॉकेटों के प्रयोग, खगोल के अनुसंधान में इसके द्वारा कई प्रयोग हो रहे हैं ।

उ) कंप्यूटर में प्रिंटिंग, खेल–कूद, सिनेमा, गेम्स आदि होते हैं ।

ऊ) बैंक, विद्युत, दूरदर्शन, रेल्वे–स्टेशनों में आरक्षण के काम में भी लाया गया है ।

ऋ) भू–कम्प, तूफान आदि की जानकारी इसके द्वारा जान सकते हैं ।

उपसंहार : कंप्यूटर की प्रगति दिन–ब–दिन बढती जा रही है । हमारा जीवन कंप्यूटर के बिना अपूर्ण होगा । इसलिए सरकार विद्यालयों में हर छात्र को कम से कम इसका प्रयोग करना सिखाना चाहिए ।

दूरदर्शन

प्रस्तावना : आज का युग विज्ञान का युग है । वैज्ञानिकों ने नये–नये आविष्कार किये हैं, उनमें मनोरंजन देनेवाले कई साधन हैं जैसे: रेडियो, सिनेमा, दूरदर्शन आदि । मानव अपनी दिनचर्या में कई काम करते–करते थक जाता है । ऐसी स्थिति में उसे मनोरंजन की आवश्यकता होती है । मनोरंजन देनेवाला एक महत्वपूर्ण साधन है - 'दूरदर्शन' ।

दूरदर्शन की परिभाषा : सन् 1926 में जे.एल.बयर्ड ने दूरदर्शन का आविष्कार किया । दूरदर्शन को अंग्रेजी में " टेलिविजन " कहा जाता है । टेली का अर्थ – " दूर से प्रसारित होनेवाला " और विजन का अर्थ –"प्रतिबिंब देखना" । याने "दूर से प्रसारित होनेवाले दृश्यों को जहाँ चाहे वहाँ एक वैज्ञानिक साधन के रूप में देखना" । इसमें एक परदा लगा रहता है । परदे पर सारे दृश्य दिखाई देते हैं । इसमें दृश्य और ध्वनि तरंगों को समन्वय करके प्रसारित किया जाता है ।

दूरदर्शन से लाभ : दूरदर्शन से कई लाभ हैं । वे–

अ) इससे मनोरंजन और ज्ञान प्राप्त होता है ।

आ) घर बैठे देश–विदेश के समाचार जान सकते हैं ।

इ) इसमें सिनेमा, भाषण, संभाषण, गाने, नाटक आदि सुन और देख सकते हैं ।

ई) व्यापार, सामाजिक कार्य, खेल, कृषि, विज्ञान, राजनीति आदि का आँखों देखी वर्णन होता है ।

उ) विद्यार्थियों के रुचि के अनुकूल भौगोलिक ज्ञान, पर्वत, समुद्र आदि का साक्षात् दर्शन होता है ।

ऊ) जन–शिक्षा का प्रसार करके उसे समय के साथ चलने की प्रेरणा देता है ।

ऋ) दूरदर्शन के द्वारा बाल–विवाह, छुआ–छूत आदि कुप्रथाओं पर अंकुश लगा है ।

दूरदर्शन से नष्ट : दूरदर्शन से कुछ नष्ट भी हैं । वे–

अ) विद्यार्थियों की पढाई में बाधा डालते हैं ।

आ) नजदीक से देखने से आँखें थक कर खराब होने की संभावना है ।

उपसंहार : कुछ नष्ट होने पर भी दूरदर्शन का रहना अत्यंत आवश्यक है । दूरदर्शन के बिना मानव उदास हो जाता है । इसलिए दूरदर्शन को देखने में समय का पालन करें और कम से कम दस फीट की दूरी पर रहें । अत: हम सब इसका सही रूप से सदुपयोग करें तो बहुत ही लाभ पायेंगे ।

दहेज प्रथा

प्रस्तावना : विवाह में कन्या के पिता के द्वारा वर को दिये जानेवाले धन अथवा संपत्ति को 'दहेज' कहते हैं । यह प्रथा प्राचीन काल से प्रचलित है । वैदिक काल से कन्या को पराया धन माना जाता है । प्रारंभ में दहेज, वर और वधु के हित के लिए, आर्थिक सहायता के लिए, वधु के सुख–सुविधाओं के लिए दी जाती थी । लेकिन आज जितना चाहे उतना अपनी इच्छानुसार कन्या के नाम पर लूट रहे हैं ।

परिणाम : आजकल पिता अपने पुत्र के लिए अच्छी कन्या से अधिक अच्छी रकम के लिए खोज रहा है । इसकारण जिस पिता के पास अधिक धन–संपत्ति है, वही पिता अपनी पुत्री के लिए अच्छा वर प्राप्त कर सकता है । इससे विवाह की पवित्रता नष्ट हो रही है ।

दहेज की यह प्रथा, गरीब हो या अमीर कन्यावालों के लिए अभिशाप बन गयी है । आर्थिक मुसीबतों में फँसकर बुरी तरह बिगड रहे हैं । कई भावुक लडकियाँ माता–पिता को कष्ट से बचाने के लिए आत्महत्या कर रही हैं । कई घर से भाग रही हैं । कई सुंदर, पढी–लिखी और कार्य कुशल होने पर भी दहेज के अभाव में कुँवारी ही रह जा रही हैं । कई लडकियाँ विवाह के बाद भी मायके से अधिक धन लाने के लिए सताई जा रही हैं । इसके कारण कई लोग घर में लडकी पैदा होते ही मार दे रहे हैं ।

उपसंहार : इस राक्षस रूपी कुप्रथा को अंत करने के लिए छोटी कक्षाओं से ही इसके नुकसानों को समझाना चाहिए । माता–पिता को बिठाकर उपदेशात्मक संदेश देना चाहिए । नवयुवक–नवयुवतियों को दहेज के बिना विवाह करने का संकल्प लेना चाहिए । और सरकार को भी दहेज उन्मूलन का कानून बनाना चाहिए । तभी हम सब इस कुप्रथा को अंत कर सकते हैं ।

बेकारी /बेरोजगारी समस्या

प्रस्तावना : जब काम करनेवालों की अधिकता और काम की कमी होती है तब बेरोजगारी की समस्या उत्पन्न होती है । हर मनुष्य को अपनी आजीविका चलाने के लिए कोई न कोई धंधा या नौकरी करनी पडती है । काम न मिलने पर आदमी बेकार रह जायेगा । बेरोजगारी की नींव वही है । हमारे देश में बेकारी की समस्या दिन–ब–दिन बढती जा रही है । आजकल हमारे देश में यह एक भयंकर समस्या बन गयी है ।

कारण : पुराने जमाने में तो घरेलू–उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता था । घरेलू–उद्योगों के कारण अनेक लोगों की आजीविका चलती थी । पेट पालने में समस्या नहीं खडी होती थी । जुलाहा, बंसोर, बढई, लुहार, सुनार, कुम्हार आदि सुखपूर्वक जीवन–यापन करते थे । आजकल उन धंधों को प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है । फलत: बेकारी की समस्या बढ गयी है ।

विज्ञान का प्रभाव : यह मशीनों का युग है । मशीनों का अधिक प्रयोग हो रहा है । अनेक लोगों से किये जानेवाला काम एक मशीन के द्वारा होने लगा । फलस्वरूप अनेक लोग बेरोजगार हो रहे हैं । क्रमश: घरेलू उद्योगों का नाश हो रहा है । इसके साथ देश की आबादी भी दिन–ब–दिन बढ रही है । उसी अनुपात में बेकारी की समस्या भी बढ रही है । यह स्थिति हमारे आर्थिक विकास में बाधा डाल रही हैं । वर्तमान शिक्षा–प्रणाली के दोष से युवक स्वावलंबी नहीं बन पा रहे हैं । इससे लोगों को डिग्रियाँ तो मिल रही हैं, मगर नौकरियाँ नहीं मिल रही हैं ।

उपसंहार : इसलिए लोगों को पढने–लिखने के साथ–साथ आजीविका चलाने के लिए कोई–न–कोई घरेलू–उद्योगों का ज्ञान प्राप्त कराना अत्यंत आवश्यक है । उन्हें औद्योगिक और तकनीकी जैसी शिक्षा देनी चाहिए जिससे वे स्वावलंबी बन सकें । इससे बेरोजगारी की समस्या दूर होगी और देश भी संपन्न होगा ।

एड्स

प्रस्तावना : एक कहावत प्रचलित है–'आरोग्य ही महाभाग्य है' । जो तंदुरुस्त होता है, वो हमेशा सुखी और प्रसन्न रहता है । व्यसनों से ही रोगों का संक्रमण होता है । ऐसे रोगों में घातक रोग है –'एड्स' ।

परिभाषा : एड्स (AIDS) माने 'एक्वायर्ड इम्युनो डिफिसिएन्सी सिंड्रोम' । वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार जब किसी व्यक्ति के शरीर में यह विषाणु प्रवेश करता है तो उस व्यक्ति के शरीर की प्रतिरोधक क्षमता धीरे–धीरे समाप्त हो जाती है । शरीर पर दवाओं का असर नहीं पडता । वह शरीर अनेक रोगों का आलय बन जाता है । इसी दशा को 'एड्स' कहते हैं । लगभग चार करोड से ज्यादा लोग इस बीमारी के ग्रस्त है । अफ्रीका महाद्वीप में एड्स के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है । भारत में सन् 1986 में एड्स सर्वप्रथम प्रकाश में आया ।

एड्स फैलने के प्रमुख कारण :

* संक्रामक व्यक्ति से यौन–संबंध रखने से,
* संक्रामक व्यक्ति के सुइयों, पिचकारियों तथा अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करने से,
* संक्रामक व्यक्ति का रक्त शरीर में प्रवेश करने से,
* संक्रामक महिला के द्वारा उसके गर्भास्थ शिशु को ।

आवश्यक सूचनाएँ :

* पूरी तरह बायल करके या एक ही बार इस्तेमाल कर फेंक देनेवाले सुइयों का उपयोग करें ।
* किसी भेद–भाव एड्स के बारे में बात–चीत करें ।
* आवश्यकता पडने पर परीक्षा करने के बाद ही साफ रक्त लें और दें ।
* समाज के सभी लोगों से भाई–चारे का व्यवहार करें ।
* आलिंगन से, हाथ मिलाने से, खाँसने से, छींकने से, मिलकर भोजन करने से या मच्छरों या अन्य कीटाणुओं के काटने से हेच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता ।

उपसंहार : एड्स के अधिकतर मामले असुरक्षित यौन संबंधों के कारण फैलते हैं । सरकार का यह प्रथम कर्तव्य है कि अशिक्षितों को इस रोग के बारे में जागृत करें । और विद्यार्थी दशा से ही यौन संबंधी शिक्षा दें । एड्स बीमारी का कोई इलाज नहीं है । एड्स के बारे में जागरूकता दिलाना ही एक मात्र रास्ता है । हमारी शुभकामना है कि बहुत जल्दी ही संसार एड्स रहित होगा ।

कृत्रिम उपग्रह

प्रस्तावना : ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को 'उपग्रह" कहते हैं । परंतु मानव निर्मित उपग्रह जो पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं, उन्हें 'कृत्रिम उपग्रह' कहते हैं । कृत्रिम उपग्रह तो मानव द्वारा बनाये गये ऐसे यंत्र हैं, जो धरती के चारों ओर परिक्रमा करते हैं । परिक्रमा करनेवाले मार्ग को 'उपग्रह की कक्षा' कहते हैं ।

<u>विकास</u> : अंतरिक्ष के रहस्यों का अध्ययन करने के लिए सर्वप्रथम रूस ने 4 अक्तूबर, 1957 में 'स्पूतनिक–1' नामक कृत्रिम उपग्रह को अंतरिक्ष में छोडा था । हर सोलह मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा करनेवाली इस स्पूतनिक ने दुनिया को आश्चर्य में डाल दिया । भारत ने अपना पहला कृत्रिम उपग्रह 'आर्यभट्ट' 19 अप्रैल, 1974 को अंतरिक्ष में छोडा था । इसके बाद भारत ने रोहिणी, एप्पल और भास्कर–1, भास्कर–2, इन्सेट–1ए आदि अंतरिक्ष में छोडा था । इन उपग्रहों को अंतरिक्ष में रॉकेटों की सहायता से भेजा जाता है ।

<u>उपयोग</u> : कृत्रिम उपग्रह सचमुच धरती की चक्कर काटती आँखों के समान हैं । वे सब देख लेते हैं । समुद्र में उठते तूफान, धरती पर होने वाले तरह–तरह के विस्फोट, यहाँ–वहाँ चलनेवाले भयानक युद्ध । यही नहीं, वे मौसम को बहुत पहले पहचान लेते हैं और आनेवाले खतरों से सावधान कर देते हैं । अंतरिक्ष तथा सौरमंडल के ग्रहों के बारे में जानकारी देते हैं जिनसे इन ग्रहों की यात्रा का मार्ग तैयार होता है । ये पलक झपकते संदेशों को, चित्रों को, टेलीविजन कार्यक्रमों को हजारों मील दूर पहुँचाते हैं।

<u>उपसंहार</u> : अब वे हमारे लिए शिक्षक का भी कार्य कर रही हैं । ऐसे शिक्षक जो अंतरिक्ष में घूमते–घूमते हमारे किसानों और बच्चों को नयी–नयी बातें सिखा रहे हैं । संचार व्यवस्था के लिए भी ये कृत्रिम उपग्रह बहुत उपयोगी है । ऐसे कृत्रिम उपग्रह देश के प्रगति के सूचक हैं ।

<u>यदि मैं प्रधानमंत्री होता तो .....</u>

<u>प्रस्तावना</u> : प्रधानमंत्री का पद एक साधारण पद नहीं है । यह देश का शासन चलाने का प्रधान और मुख्य पद है । लोकसभा में बहुमत प्राप्त पार्टी का नेता हमारे देश का प्रधानमंत्री बनता है ।

<u>उद्देश्य</u> : यदि मैं प्रधानमंत्री होता तो उस पद के द्वारा देश और समाज का काया पलट देना चाहूँगा । मेरे सामने कई सपने हैं । उनके लिए एक योजना तैयार करके, उसके अनुसार काम करते हुए, समाज में उन्नति लाऊँगा ।

<u>विषय</u> : आज हमारे देश में भाषा भेद, जाति भेद, वर्ग भेद, प्रांत भेद आदि फैल रहे हैं । पहले इनको दूर करके सबके दिलों में 'हम एक है और हमारा भारत एक है' – इस भावना को जगाने की कोशिश करूँगा । देश को आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से आगे ले जाने की कोशिश करूँगा ।

किसानों को साक्षर बनाऊँगा । कल, बीज, खाद आदि सस्ते मूल्य पर किसानों को पहुँचाऊँगा । सहकारी समितियों की स्थापना करके कम सूद पर किसानों को ऋण दिलवाऊँगा । देश–विदेशों से पूँजी लाकर कारखानों का निर्माण कर बेरोजगारी दूर करूँगा । स्कूल, कॉलेजों और विश्व विद्यालयों की संख्या बढाकर देश को साक्षर और रोजगार बनाऊँगा ।

गाँधीजी ने कहा कि "गाँव की उन्नति ही देश की उन्नति है ।" इसलिए गाँवों में पक्की सडकें, पाठशालाएँ, बिजली, चिकित्सालय आदि की व्यवस्था करूँगा ।

नदियों पर बाँध बनाकर, उसका पानी पूरी तरह उपयोग में लाऊँगा । सभी देशों से मित्रता का भाव बढाकर विश्व को शांति का संदेश दूँगा । प्रमुख देशों की तुलना में हमारे देश को भी ऊँचा रखूँगा । मैं देश को अपने तन–मन से प्रगति मार्ग पर ले जाने की कोशिश करूँगा । देशवासियों ने मुझ पर जो जिम्मेदारी रखी है, उसे सुचारू रूप से निभाऊँगा ।

उपसंहार : प्रधानमंत्री बनना सामान्य विषय नहीं है, अगर मैं प्रधानमंत्री बना तो ये सभी कार्य पूर्ण करने की कोशिश करूँगा ।

पाठशाला में हिंदी दिवस का वर्णन

प्रस्तावना : पाठशाला में कई प्रकार के दिवस मनाये जाते हैं, उनमें 'हिंदी दिवस' एक है । हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है । इस दिन कई लोग जैसे – जिला शिक्षाधिकारी या कोई सरकारी कर्मचारी मुख्य अतिथि के रूप में, प्रधानाध्यापक, अध्यापक गण और हिंदी अध्यापक पाठशाला में छात्र–छात्राओं के साथ इकट्ठा होते हैं । हिंदी से संबंधित कई जानकारी देते हैं ।

वर्णन : भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में देश को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए एक भाषा की आवश्यकता हुई । यह काम हिंदी से ही साध्य हो सका । आज हमें एक से अधिक भाषाएँ सीखना जरूरी है । जिनमें हिंदी का स्थान महत्वपूर्ण है । यह भाषा भारतीयों को एकता के सूत्र में बाँधती है । भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 343(1) के तहत हिंदी को 14 सितंबर 1949 को राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया । आज भारत के अलावा कई देशों में हिंदी की माँग बढती जा रही है । गर्व की बात है कि भारतीयों से आपसी व्यवहार करने के लिए विदेशी लोग हिंदी सीख रहे हैं । इसके लिए कई संस्थाएँ हिंदी के प्रचार व प्रसार में जुटी हुई हैं । आज हिंदी नये–नये रोजगारों का प्रमुख आधार बन चुकी है ।

हमारे लिए गर्व की बात है कि सारा विश्व हिंदी का महत्व जान चुका है । इसका प्रमाण यह है कि सारे विश्व में 10 जनवरी को 'विश्व हिंदी दिवस' मनाया जाता है । इसतरह हिंदी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोभित है ।

उपसंहार : हिंदी अध्यापक हिंदी से संबंधित कई प्रतियोगिताएँ जैसे–भाषण, निबंध, चित्रकला आदि का आयोजन कर छात्र–छात्राओं को उपहार देते हैं ।

इतनी महत्वपूर्ण भाषा होने पर भी आज कुछ पाठशालाओं में हिंदी दिवस नहीं मनाया जा रहा है । ये हमारे लिए शोभा की बात नहीं है । हिंदी अध्यापक का दायित्व बनता है कि वह हिंदी प्रचार से संबंधित जो भी विषय हों, वह छात्र–छात्राओं और समाज तक ले जायें । सरकार को भी ये घोषणा करनी चाहिए कि हर पाठशाला में हिंदी दिवस मनाया जायें और हिंदी की प्रगति करें । क्यों कि राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार कार्य देश भक्ति का कार्य है ।

PART -B

1.बरसते बादल

1. बरसते बादल कविता के कवि कौन हैं?
– **सुमित्रानंदन पंत**
2. प्रकृति के बेजोड कवि कौन माने जाते हैं ?
– **सुमित्रानंदन पंत**
3. पंतजी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
– **सन् 1900 में अल्मोडा में**
4. पंतजी को किस काव्य पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ ? **– चिदंबरा**
5. पंतजी का निधन कब हुआ ? – **सन् 1977 में**
6. वर्षा के समय किसकी सुंदरता देखनेलायक होती है ? – **प्रकृति की**
7. मेघ कब बरसते हैं ? – **सावन में**
8. बूँदें कहाँ से गिरती हैं ? – **तरुओं से**
9. दिन के तम में मन में क्या जगते हैं ? – **सपने**
10. गगन में गर्जन भरनेवाले कौन हैं ? – **मेघ**
11. धाराओं पर धाराएँ किस पर झरती हैं ?
– **धरती पर**
12. किसे पकडकर मन झूलता है ?
– **वारि की धार को**
13. पंतजी सब जन मिलकर किस झूले में झूलने के लिए कह रहे हैं ? – **इंद्रधनुष के**
14. पंतजी हमारे जीवन में किसे फिर–फिर आने के लिए कहते हैं ? – **मनभावन सावन को**

2.ईदगाह

1. ईदगाह कैसा पाठ है ? – **कहानी**
2. ईदगाह कहानी के कहानीकार कौन हैं ?
– **मुंशी प्रेमचंद जी**
3. प्रेमचंद जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
– **31 जुलाई , 1880 को काशी में**
4. प्रेमचंद जी के बचपन का नाम क्या था ?
– **धनपतराय श्रीवास्वव**
5. प्रेमचंद जी कितने उपन्यास लिखे थे ?
– **लगभग एक दर्जन**
6. उपन्यास सम्राट कौन हैं ? – **प्रेमचंद**
7. प्रेमचंद जी की कहानियाँ किसमें संकलित है ?
– **मानसरोवर में**
8. मानसरोवर के कितने खंड हैं ? – **आठ**
9. प्राचीन काल से भारतीय जीवन के प्रतिबिंब क्या है? – **नैतिक मूल्य**
10. रमजान के कितने रोजों के बाद ईद मनायी जाती है ? – **तीस**
11. हामिद के पिता किस बीमारी की भेंट हो गया ?
– **हैजे की**
12. हामिद किसकी गोदी में सोता है ?
– **अपनी दादी अमीना की**
13. हामिद के पास कितने पैसे थे ? – **तीन पैसे**
14. कौन खिलौनों को ललचाई आँखों से देखता है?
– **हामिद**
15. हामिद ने दादी अम्मा के लिए क्या खरीदा ?
– **लोहे का चिमटा**
16. किसकी ऊँगलियाँ तवे से रोटी उतारती हैं तो जल जाती थीं?–**अमीना की / हामिद की दादी की**
17. किस बच्चे में त्याग, सद्भाव और विवेक हैं ?
– **हामिद में**
18. दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर किसका मन ललचाया होगा ? – **हामिद का**
19. किसका मन गदगद हो गया ? – **अमीना का**
20. आँचल फैलाकर हामिद को कौन दुआएँ देती जाती हैं ? – **अमीना / दादी**

3.हम भारतवासी

1. हम भारतवासी कविता के कवि कौन हैं ?
– **आर.पी.निशंक**
2. आर.पी.निशंक की रचनाओं का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ? – **देशभक्ति**
3. हम किस देश के वासी है ? – **भारत के**
4. कहाँ की संस्कृति और सभ्यता सारे विश्व को लुभाती है ? – **भारत की**

5. भारतवासी दुनिया को क्या बनायेंगे ? – **पावन धाम**
6.भारतवासी मन में किसका अद्‌भुत दृश्य दिखायेंगे?
– **श्रद्‌धा और प्रेम का**
7. भारववासी कौनसा भेद मिटायेंगे ?
– **ऊँच–नीच का**
8. भारतवासी नफरत का कुहासा तोड कौनसा रस सरसायेंगे ? – **अमृत का**
9. भारतवासी निराशा दूर भगाकर क्या जगायेंगे ?
– **विश्वास**
10. भारतवासी उलझन में उलझे लोगों को क्या समझायेंगे ? – **तथ्य दीप**
11. भारतवासी जीवन पथ से भटके लोगों को क्या दिखायेंगे ? – **राह**
12. भारतवासी खुशियों के दीप जलाकर क्या जलायेंगे ? – **जीवन ज्योत**
13. भारतवासी सत्य, अहिंसा, त्याग, समर्पण की क्या महकायेंगे ? – **बगिया**
14. भारतवासी जग के सारे क्लेश मिटाकर धरती को क्या बनायेंगे ? – **स्वर्ग**
15. भारतवासी दुनिया में कौन सा मंत्र सरसायेंगे ?
– **विश्व बंधुत्व का**

4.कण–कण का अधिकारी

1. 'कण–कण का अधिकारी'–कविता के कवि कौन हैं ? – **रामधारी सिंह दिनकर जी**
2. कण–कण का अधिकारी – कविता किस रचना से ली गयी है ? – **कुरुक्षेत्र से**
3. दिनकर जी का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
– **सन् 1908 में बिहार के मुंगेर में**
4. दिनकर जी का निधन कब हुआ ?
– **सन् 1974 में**
5. सफलता की कुँजी क्या है ? – **मेहनत**
6. किन्हें हिंदी का राष्ट्रकवि भी माना जाता है ?
– **रामधारी सिंह दिनकर जी को**
7. दिनकर जी को किस काव्य पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ ? – **उर्वशी काव्य पर**
8. मनुज, धन कैसे संचित करता है ?
– **पाप के बल से**
9. नर समाज का भाग्य क्या है ?
– **श्रम और भुजबल**
10. पृथ्वी किसके सम्मुख झुकी हुई है ?
– **श्रम और भुजबल के**
11. कवि किसे पीछे मत रह जाने के लिए कहते हैं?
– **श्रम–जल देनेवाले को**
12. जो प्रकृति में है, वह किसका धन है ?
– **मनुज मात्र का**
13. श्रमिक के सम्मुख क्या–क्या झुके हैं ?
– **नभ–तल / आकाश और पृथ्वी**
14. कण–कण का अधिकारी कौन है ? – **जन–जन**

5.लोकगीत

1. लोकगीत कैसा पाठ है ? – **निबंध**
2. लोकगीत पाठ के लेखक कौन हैं ?
– **भगवतशरण उपाध्याय**
3. भगवतशरण उपाध्याय का जन्म कब हुआ ?
– **सन् 1910 में**
4. मनोरंजन की दुनिया में आज भी किसका महत्वपूर्ण स्थान है ? **– लोकगीतों का**
5. जनता के संगीत क्या है ? – **लोकगीत**
6. मध्यप्रदेश, दक्कन, छोटा नागपुर में किस जाति के लोग फैले हुए हैं ?
– **गोंड–खांड, भील–संथाल**
7. वास्तविक लोकगीत कहाँ पर है ?
– **देश के गाँवों और देहातों में**
8. बंगाल के लोकगीत क्या है ?
– **बाऊल और भतियाली**
9. माहिया किस प्रांत का लोकगीत है ? –**पंजाब का**
10. हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल संबंधी गीत किस प्रांत में गाये जाते हैं ? – **पंजाब में**
11. ढोला–मारू आदि के गीत किस प्रांत में गाये जाते हैं ? – **राजस्थान में**

12. 'बिदेसिया'-गीत किस प्रांत में लोक प्रिय है ?
– **बिहार में**
13. बिदेसिया गीतों में कौन–सा रस बरसता है ?
– **करुणा और विरह का**
14. बुंदेल खंडी में गाये जानेवाला लोकगीत कौनसा है ? **– आल्हा**
15. किसने आल्हा–ऊदल की वीरता का अपने महाकाव्य में बखान किया ?
– चंदेल के राजकवि जगनिक
16. पूरब की बोलियों में अधिकतर किनके गीत गाये जाते हैं ? – **मैथिल कोकिल विद्यापति के**
17. स्त्रियाँ किसकी मदद से गाती हैं ? **–ढोलक की**
18. गुजरात का एक प्रकार का दलीय गायन क्या है?
– **गरबा**
19. होली के अवसर पर किस प्रांत में रसिया चलता है ? **– ब्रज में**
20. गढवाल, किन्नौर, काँगडा में गाये जानेवाला लोकगीत क्या है ? – **पहाडी लोकगीत**

6.अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी

1. हिंदी किनकी साँसों में बसी है ?
– **भारतीयों की**
2. किसने अपना जीवन हिंदी की सेवा में समर्पित कर दिया था ? – **गाँधी जी ने**
3. स्वतंत्रता संग्राम में देश को एक सूत्र में बाँधने वाली भाषा कौनसी है ? – **हिंदी**
4. किस भाषा से हम सारे भारत की पहचान अच्छी तरह से कर सकते हैं ?
– **हिंदी भाषा से**
5. भारतीय संविधान ने किस अनुच्छेद के तहत हिंदी को राजभाषा के रूप में गौरवान्वित किया है ?
– **343(1) के तहत**
6. हिंदी दिवस कब से मनाया जाता है?
– **14 सितंबर , 1949 से**
7. आज नये–नये रोजगारों का प्रमुख आधार क्या बन चुकी है ? **– हिंदी**
8. विदेशों में भारतीयों से आपसी व्यवहार करने के लिए वहाँ के लोग किस भाषा को सीख रहे हैं ?
– **हिंदी भाषा को**
9. कौनसी संस्थान हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण कार्यों से देश विदेश में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है ?
– **केंद्रीय हिंदी संस्थान**
10. बैंक, मीडिया, फिल्म उद्योग आदि क्षेत्रों में किसकी उपयोगिता दिन–ब–दिन बढती जा रही है?
– **हिंदी की**
11. विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ?
– **10 जनवरी को**
12. आगे की पढाई के लिए प्रथम भाषा हो या द्वितीय भाषा किस भाषा का चयन करना ही लाभदायक है ? – **हिंदी भाषा का**

7.भक्ति पद

1. सही रास्ते का मार्गदर्शन किनके द्वारा होता है ?
– **गुरु के**
2. रैदास का जन्म कब हुआ ? – **सन् 1482 में**
3. रैदास की मृत्यु कब हुई ? – **सन् 1527 में**
4. रैदास किस शाखा के कवि है ?
– **ज्ञानमार्गी शाखा के**
5. रैदास की प्रसिद्ध रचना क्या है ?
– **गुरु ग्रंथ साहब**
6. रैदास ने किनकी तुलना चंदन, घन, मोती और स्वामी से की है ? – **प्रभु की**
7. रैदास ने अपने आपको किस–किससे तुलना की?
– **पानी, मोर, धागा और दास से**
8. पानी के अंग–अंग में किसकी बास समाती है?
– **चंदन की**
9. मीराबाई का जन्म कब हआ ? – **सन् 1498 में**
10. मीराबाई की मृत्यु कब हुई ? – **सन् 1573 में**
11. मीराबाई की प्रसिद्ध रचना क्या है ?
– **मीराबाई पदावली**
12. मीरा किसकी उपासना करती थी ?
– **श्री कृष्ण की**

13. कृष्णोपासक कवयित्रियों में श्रेष्ठ कौन हैं ?
– **मीराबाई**
14. मीरा की भक्ति किस भाव की है ?
– **माधुर्य भाव की**
15. मीरा के प्रभु कौन है ? – **गिरिधर /कृष्ण**
16. मीराबाई कौनसा धन पाया है ? – **राम रतन का**
17. मीराबाई को बहुमूल्य वस्तु किसने दी ?
– **सतगुरु ने**
18. जनम–जनम की पूँजी किसने पायी ?
– **मीराबाई ने**
19. सत की नाँव का खेवटिया कौन है ?
– **सतगुरु**

8.स्वराज्य की नींव

1. स्वराज्य की नींव–कैसा पाठ है ? – **एकांकी**
2. स्वराज्य की नींव पाठ के लेखक कौन हैं ?
– **विष्णु प्रभाकर**
3. विष्णु प्रभाकर जी का जन्म कब हुआ ?
– **सन् 1912 में**
4. प्रेमचंद परंपरा के आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक कौन हैं ? – **विष्णु प्रभाकर**
5. विष्णु प्रभाकर जी को किस रचना पर 'सोवियत लैंड नेहरु पुरस्कार' प्राप्त हुआ ?
– **आवारा मसीहा**
6. भारत सरकार ने किन्हें 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया ? – **विष्णु प्रभाकर जी को**
7. "खूब लडी मर्दानी वह तो झाँसीवाली रानी थीं" – यह किनकी पंक्ति है ?
– **सुभद्राकुमारी चौहान जी की**
8. किसने सच्चे अर्थों में देश की स्वतंत्रता की नींव रखी थी ? – **लक्ष्मीबाई ने**
9. महारानी लक्ष्मीबाई की सखी कौन थी ?
– **जूही**
10. ' स्वराज्य सेवा, तपस्या और बलिदान से मिल सकता है ' – यह वाक्य किसने कहा ?
– **बाबा गंगादास**
11. बाँधा के नवाब कौन थे ? – **तात्या**
12. लक्ष्मीबाई के सेनापति और सरदार कौन थे ?
– **तात्या**
13. जूही किनको अपना स्वामी मानती है ?
– **तात्या को**
14. तात्या किनको अपने तन–मन का स्वामी मानते हैं? – **राव साहब को**
15. जूही किनको बुरी तरह दुत्कार दिया था ?
– **तात्या को**
16. किसकी ठोकर अविश्वास की खाई को और भी चौडा कर देती है ? – **दोस्त की**
17. शंकाएँ क्या पैदा करेंगी ? – **अविश्वास**
18.श्रीखंड और लड्डूओं पर जान देनेवाले कौन हैं ?
– **ब्राह्मण**
19. किसकी सेना ने मुरार में पेशवा की सेना को हरा दिया ? – **जनरल रोज की सेना**
20. लक्ष्मीबाई किन्हें सेना और सामग्री दोनों दुश्मन के घेरे से निकालकर ले जाने के लिए कहा ?
– **अपने सरदार तात्या से**
21. किसने तोपखाना सँभाला ?
– **जूही**
22. 'हम सब मिलकर या तो स्वराज्य प्राप्त करके रहेंगे या स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे'।–यह वाक्य किसने कहा ?
– **लक्ष्मीबाई ने**

9.दक्षिणी गंगा गोदावरी

1. दक्षिणी गंगा गोदावरी–कैसा पाठ है ?
– **यात्रा वृत्तांत**
2. दक्षिणी गंगा गोदावरी–पाठ के लेखक कौन हैं ?
– **काका कालेलकर**
3. दक्षिणी गंगा गोदावरी–पाठ किस रचना से लिया गया है ? – **सप्त सरिता से**
4. काका कालेलकर ने किस नदी के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किया है ? – **गोदावरी नदी का**

5. काका कालेलकर जी का पूरा नाम क्या है ?
– **दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर**
6. काका कालेलकर का जन्म कब हुआ ?
– **सन् 1885 में**
7. काका कालेलकर की मृत्यु कब हुई ?
– **सन् 1991 में**
8. काका कालेलकर ने आजीवन किस विचारधारा का पालन किया ? – **गाँधीवादी विचारधारा का**
9. काका कालेलकर किस सभा के माध्यम से हिंदी की खूब सेवा की ?
– **हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, वर्धा**
10. काका कालेलकर किस सभा के सदस्य थे ?
– **राज्य सभा के**
11. किस नदी को धीर–गंभीर माता और पूर्वजों की अधिष्ठात्री देवी मानी जाती है ?
– **गोदावरी नदी को**
12. लेखक ने बेजवाडे में किस नदी के दर्शन किये?
– **कृष्णा नदी के**
13. लेखक को राजमहेंद्री के आगे किस नदी की शान–शौकत निराली लगी ?
– **गोदावरी नदी की**
14. गोदावरी नदी की किस तरफ दूर–दूर तक पहाडियों की श्रेणियाँ नजर आई ?
– **पश्चिम की ओर**
15. गोदावरी के क्या प्रसिद्ध हैं ? – **टापू**
16. भारतवासी किस जगह गंगाजल के आधे कलश उँडलते हैं ? – **गोदावरी में**
17.राम–लक्ष्मण और सीता से लेकर बूढे जटायु तक सबको किसने स्तन्य–पान कराया है ?
– **गोदावरी नदी ने**
18. किसके जल में अमोघ शक्ति है ?
– **गोदावरी नदी के**

10.नीति दोहे

1. रहीम का जन्म कब हुआ ? – **1556 में**
2. रहीम की मृत्यु कब हुई ? – **1626 में**
3. रहीम की प्रसिद्ध रचनाएँ क्या–क्या हैं ?
– **रहीम सतसई, बरवै नायिका भेद, श्रृंगार सोरठ**
4.संस्कृत, अरबी, फारसी के विद्वान कौन थे ?–**रहीम**
5. अकबर के मित्र, प्रधान सेनापति व मंत्री कौन थे?
– **रहीम**
6. रहीम के अनुसार सच्चे मित्र की पहचान कब होती है ? – **विपत्ति में**
7. रहीम किसके बिना सब सून कहते हैं ?– **पानी के**
8. रहीम के अनुसार मोती, मानुष और चून किसके बिना सून हैं ? – **पानी के**
9. बिहारी जी का जन्म कब हुआ ? – **1595 में**
10. बिहारी जी की मृत्यु कब हुई ? – **1663 में**
11. बिहारी जी की प्रसिद्ध रचना क्या है ?
– **बिहारी सतसई**
12. बिहारी के दोहे कैसे हैं ? – **नीतिपरक**
13. किनके दोहे गागर में सागर भर देते हैं ?
– **बिहारी के**
14. किसके मिलने पर मनुष्य पागल बन जाता है ?
– **कनक / सोना**
15. किसके खाने पर मनुष्य पागल बन जाता है ?
– **कनक / धतूरा**
16. बिहारी ने नर की स्थिति किसके समान कहा है ?
– **नल के पानी के**

11.जल ही जीवन है

1. जल ही जीवन है – कैसा पाठ है ? – **कहानी**
2. जल ही जीवन कहानी के कहानीकार कौन हैं ?
– **श्री प्रकाश**
3. श्री प्रकाश जी के निबंध कैसे होते हैं ?
– **विचारोत्तेजक**
4. जल ही जीवन है–नामक कहानी किस पुस्तक से ली गयी है ?– **संचार माध्यमों के लिए विज्ञान**
5. किसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है ? – **पानी के बिना**
6.पृथ्वी पर किसने काफी प्रगति कर ली थी ?
– **मानव**

7. पृथ्वी पर निरंतर किसकी कमी होती जा रही है ?
– **पानी की**
8. कौन ब्रह्मांड के अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज में लगे हुए थे ?
– **प्रो.विकास**
9. प्रो.दीपेश और प्रो.विकास किसे देखकर आश्चर्य चकित हो गये ?
– **अंतरिक्ष यात्री को**
10. अंतरिक्ष यात्री के कई साथी किस ग्रह पर फैले थे?
– **नील ग्रह पर**
11. अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी से अपने ग्रह पर क्या ले जाने के लिए आये थे ?
– **जलराशि की कुछ मात्रा / जल**
12. अंतरिक्ष यात्री भूमि पर किसके तहत आये हैं ?
– **एक मिशन के तहत**
13. अंतरिक्ष यात्री हमारी किस निधि को चुराया और अपने ग्रह ले गये ?
– **जलनिधि को**
14. अंतरिक्ष यात्री के राजा ने हमें किसे साफ और सुरक्षित रखने के लिए कहा है ?
– **जलाशयों को**

12.धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब

1.धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब–कैसा पाठ है?
– **साक्षात्कार**
2. अब्दुल कलाम किस नाम से प्रसिद्ध हैं ?
– **मिजाइल मैन**
3. टेसी थॉमस किस नाम से प्रसिद्ध हैं ?
– **मिजाइल वुमन / अग्नि पुत्री**
4. टेसी थॉमस के गुरु कौन हैं ?
– **ए.पी.जे.अब्दुल कलाम**
5. अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ ?
– **तमिलनाडु के रामेश्वरम में**
6. अब्दुल कलाम जी का पूरा नाम क्या है ?
– **अब्दुल फकीर जैनुलाबुद्दीन अब्दुल कलाम**
7.वह कौनसा देश है,जहाँ 50 प्रतिशत से भी अधिक युवाशक्ति है ? – **भारत देश**
8. महिला साक्षरता दर अधिक होने से किसे नियंत्रित कर सकते हैं ?
– **जनसंख्या को**
9. कानूनन क्या करवाना एक अपराध है ?
– **बाल मजदूरी**
10. अधिनियम 2002 के माध्यम से कितने वर्ष के बच्चों के लिए शिक्षा पाने का पूरा अधिकार है ?
– **6 से 14 वर्ष के**
11. भ्रष्टाचार उन्मूलन में कितने प्रकार के लोग सहायक सिद्ध हो सकते हैं ?
– **तीन**
(1.माता 2.पिता 3. प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक)
12. छात्र अपने प्रति ईमानदारी और दूसरों के प्रति क्या रखना चाहिए ? – **आदर**
13. टेसी थॉमस को इंजीनियरिंग की पढाई के समय कॉलेज की ओर से क्या दिया गया था ?
– **हाथीवाला स्मारक**
14. टेसी थॉमस की शिक्षा कहाँ पर हुई ?
– **केरला स्थित अलप्पुझा में**
15. टेसी थॉमस किन्हें अपना आदर्श मानती है ?
– **ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जी को**
16. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के अग्नि–5 कार्यक्रम की निदेशिका कौन थीं ?
– **टेसी थॉमस**
17. देश के किसी मिजाइल प्रॉजेक्ट की पहली महिला प्रमुख बनने का गौरव किन्हें प्राप्त हुआ ?
– **टेसी थॉमस**
18.दुनिया के मानचित्र में भारत को स्थान दिलानेवाले कौन हैं ?
– **ए.पी.जे.अब्दुल कलाम**
19. किन्होंने टेसी थॉमस को प्रेरणा के 'अग्नि पंख' दिये हैं ?
– **ए.पी.जे.अब्दुल कलाम**

व्याकरण

पर्यायीवाची शब्द

1. तरु – पेड, वृक्ष, बिटप, पादप
2. गगन – आकाश, आसमान, नभ, अंबर
3. घन – मेघ, बादल, जलद, जलधर
4. प्रभात – प्रात:काल, सबेरा, उषा
5. ईद – त्यौहार, पर्व, उत्सव
6. दुनिया – संसार, विश्व, जग, लोक, सृष्टि
7. अमृत – सुधा, पीयूष, सोम
8. पावन – पवित्र, शुद्ध, पुण्य
9. जन – लोग, जनता, प्रजा
10. पृथ्वी – भूमि, धरती, जमीन, वसुधा
11. धन – संपत्ति, दौलत, संपदा
12. साधना – अभ्यास, पूजा, आराधना, उपासना
13. देहात – गाँव, ग्राम, बस्ती
14. भाषा – बोली, वाणी, जबान
15. समाधान – हल, सुझाव, उत्तर
16. संकल्प – निर्णय, निश्चय, प्रतिज्ञा
17. प्रभु – भगवान, ईश्वर, स्वामी
18. पानी – जल, वारि, नीर
19. चंद्र – चाँद, शशि, सुधाकर, तारापति
20. नारी – स्त्री, महिला, औरत
21. मित्र – दोस्त, सखा, साथी
22. प्रेम – प्यार, इश्क, स्नेह
23. बरसात – वर्षा, बारिश, पावस
24. सरिता – नदी, तटनी, तरंगिणी
25. पहाड – पर्वत, गिरि
26. प्रतिभा - योग्यता, क्षमता, निपुणता, कुशलता
27. परिश्रम – मेहनत, श्रम
28. छात्र – विद्यार्थी, शिक्षार्थी, अभ्यासी
29. शिक्षा – विद्या, पढाई, तालिम
30. नाँव – नौका, नाव, जहाज
31. अमोलक – अनमोल, अमूल्य, बहुमूल्य

विलोमशब्द

अपराधी x निरपराधी
निराशा x आशा
प्यार x द्वेष
सुख x दुख
सजीव x निर्जीव
शास्त्रीय x अशास्त्रीय
स्वदेश x विदेश
गुरु x शिष्य
दिन x रात
विश्वास x अविश्वास
प्रसिद्ध x अप्रसिद्ध
संभव x असंभव
बढिया x घटिया
मान x अपमान
अबला x सबला
दोस्त x दुश्मन
अच्छा x बुरा
योग्य x अयोग्य
ऊँचाई x गहराई
पवित्र x अपवित्र
उतरना x चढना
गरीब x अमीर
बढना x घटना
सुविधा x असुविधा
साक्षर x निरक्षर
पसंद x नापसंद
खट्ठा x मीठा

प्रसन्न x अप्रसन्न
त्याग x स्वार्थ
पाप x पुण्य
भाग्य x अभाग्य, दुर्भाग्य
स्वदेशी x परदेशी
एकता x अनेकता
प्राचीन x नवीन, आधुनिक
स्वामी x दास, सेवक
सफलता x असफलता
विजय x पराजय
दुर्लभ x सुलभ
ज्ञान x अज्ञान
साकार x निराकर
वीरता x कायरता
आकाश x पाताल
जीतना x हारना
भूलना x याद करना
पाना x खोना
दाएँ x बाएँ
जवान x बूढा
आरंभ x अंत, समाप्त
दूर x पास, नजदीक
ईमानदार x बेईमानदार
संतुलन x असंतुलन
मिसाल x बेमिसाल
सवाल x जवाब
धूप x छाँव

मुहावरे

1. कमर कसना – तैयार होना
2. खत्म होना – समाप्त होना
3. भेंट हो जाना – मर जाना
4. परलोक सिधार जाना – मर जाना
5. दिल कचोटना – दुखी होना
6. छाले पड जाना – पैरों से चल नहीं पाना
7. धावा बोलना– हमला करना, आक्रमण करना
8. गदगद होना – प्रसन्न होना, फूले न समाना
9. संचित करना – इकट्ठा करना
10. प्रकाशित होना – प्रसिद्धि होना
11. बखान करना – वर्णन करना, प्रशंसा करना
12. प्रमाण देना – साबित करना
13. मिट जाना – मर जाना
14. नाराज होना – क्रोध में आना
15. दुत्कार देना – गाली देना, तिरस्कार करना
16. होड लगाना – स्पर्धा होना
17. शुरुआत करना – आरंभ करना
18. हल कर लेना – परिष्कार होना
19. गले मिलना – आलिंगन करना
20. दिल बैठ जाना – अधीर होना, निराश हो जाना
21. माथे पर हाथ रखना – अफसोस करना
22. कुहासा तोडना – स्पष्ट करना
23. प्रतीक्षा करना – इंतेजार करना, निरीक्षण करना
24. आविष्कार करना – खोज निकालना
25. गागर में सागर – थोडे में बहुत
26. तबाही मचाना – नाश करना
27. ओझल हो जाना – अदृश्य होना
28. मन ललचाना – इच्छा होना
29. आँखें खुलना – होश में आना
30. नींव रखना – शुरुआत करना
31. पीले पडना – बीमारी के कारण शरीर से खत का अभाव सूचित करना

वाक्य को सीधा कीजिए/सही क्रम

1. ज्यादा है सबसे लडके प्रसन्न ।
ज: लडके सबसे ज्यादा प्रसन्न है
2. रहा है दिल कचोट अमीना का ।
ज: अमीना का दिल कचोट रहा है ।
3. पैसे थे बारह महमूद के पास ।
ज: महमूद के पास बारह पैसे थे ।
4. कई हैं प्रकार के लोकगीतों ।
ज: लोकगीतों के कई प्रकार हैं ।
5. गाती ढोलक मदद स्त्रियाँ से हैं की ।
ज: स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं ।
6. भारतीय हिंदी शाब्दिक अर्थ भी कहलाती है से अपने ।
ज:हिंदी अपने शाब्दिक अर्थ से भी भारतीय कहलाती है ।
7. हिंदी 14 सितंबर मनाते हैं को दिवस ।
ज: 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाते हैं ।
8. तरह इस हिंदी अंतर्राष्ट्रीय पर शोभित है स्तर ।
ज: इस तरह हिंदी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोभित है ।
9. स्वास्थ्य ध्यान पूरा रखना का अपने ।
ज: अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखना ।
10. नहीं अबला रहती हमेशा अबला ।
ज: अबला हमेशा अबला नहीं रहती ।
11. प्रभुजी, तुम पानी हम चंदन ।
ज: प्रभुजी, तुम चंदन हम पानी ।
12. मीरा के प्रभु नागर गिरिधर, हरख–हरख पायो जस ।
ज:मीरा के प्रभु गिरिधर नागर, हरख–हरख जस पायो ।
13. धन्य वीरता है आपको पाकर ।
ज: वीरता आपको पाकर धन्य है ।
14. बनेंगे स्वराज्य का पत्थर की नींव ।
ज: स्वराज्य की नींव का पत्थर बनेंगे ।
15. हैं गोदावरी के प्रसिद्ध टापू ।
ज: गोदावरी के टापू प्रसिद्ध हैं ।
16. बाल मजदूरी एक अपराध करवाना कानूनन है ।
ज: कानूनन बाल मजदूरी करवाना एक अपराध है ।

उपसर्ग/पूर्व प्रत्यय

अर्थवंत शब्दों के आदि में जुडकर नये अर्थ को उत्पन्न करनेवाले अक्षर या अक्षर समूह को 'उपसर्ग या पूर्व प्रत्यय' कहते हैं ।

बेसमझ – बे	सद्भाव – सत्
निडर – नि	अभाग्य – अ
दुर्भाग्य – दुर्	सुभाग्य – सु
लोकगीत – लोक	लोकतंत्र – लोक
सकुशल – स	अनुक्रम – अनु
अनुचित – अन्	स्वतंत्र – स्व
निराशा – निर्	अनपढ – अन
पराजय – परा	प्रतिक्षण – प्रति
प्रयोग – प्र	निबंध – नि
अनुशासन – अनु	स्वराज्य – स्व
परियोजना – परि	बेईमान – बे
उपहार – उप	अमोलक – अ

परसर्ग/ प्रत्यय/पर प्रत्यय

अर्थवंत शब्दों के अंत में जुडकर नये अर्थ को उत्पन्न करनेवाले अक्षर या अक्षर समूह को 'परसर्ग या प्रत्यय या पर प्रत्यय' कहते हैं ।

दुकानदार – दार	भडकीला – ईला
गरीबी – ई	प्राकृतिक – इक
अधिकारी – ई	भाग्यवान – वान
धार्मिक – इक	मासिक – इक
दैनिक – इक	औत्साहिक – इक
वार्षिक – इक	खुशी – ई
भारतीय – ईय	वीरता – ता
ऐतिहासिक – इक	लौकिक – इक
पौराणिक – इक	नाविक – इक
लज्जित – इत	हिंदी – ई
ईदगाह – गाह	शांति – इ
राष्ट्रीय – ईय	कलाकार – कार
दक्षिणी – ई	बचपन – पन

भाव वाचक संज्ञा

जिस संज्ञा द्वारा किसी गुण, दोष या दशा का बोध होता है, उस विकारी शब्द को 'भाववाचक संज्ञा' कहते हैं । ये संज्ञाएँ निम्न प्रकार से बनते हैं ।

उदा : 1) **जातिवाचक संज्ञा से :**

मनुष्य – मनुष्यता	मजदूर – मजदूरी
बूढा – बुढापा	बच्चा – बचपन
लडका – लडकपन	मानव – मानवता
मित्र – मित्रता	नारी – नारीत्व

2) **सर्वनाम से :**

अपना – अपनापन निज – निजत्व

3) **विशेषण से :**

मीठा – मिठास	प्रसन्न – प्रसन्नता
अच्छा – अच्छाई	गहरा – गहराई
ऊँचा – ऊँचाई	लंबा – लंबाई
स्वतंत्र – स्वतंत्रता	परतंत्र – परतंत्रता
नैतिक – नैतिकता	धार्मिक – धार्मिकता

4) **क्रिया से :**

हँसना – हँसी	सजना – सजावट
लिखना – लिखावट	दौडना – दौड

क्रिया

किसी काम का करना या होना पाया जाय, उन विकारी शब्दों को 'क्रिया' कहते हैं ।

क्रिया के दो भेद हैं ।

1. **सकर्मक क्रिया** : जिस क्रिया का फल कर्म पर पडे उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं ।

   उदा : पढना, पीना, कहना, खाना, लिखना, खेलना, मारना, पालना, बनाना, करना आदि

2. **अकर्मक क्रिया** : जिस क्रिया का फल कर्ता पर पडे उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं ।

   उदा : सोना, हँसना, उठना, दौडना, चलना, बोलना, आना, जाना, रोना, लाना आदि

एक शब्द में लिखिए

1. मन को भाने वाला – मनभावन
2. जो विश्व के सभी देशों से जुडा हों – अंतर्राष्ट्रीय
3. जिसके समान कोई दूसरा न हो – अद्‌वितीय
4. जिसे काटा न जा सके – अनुच्छेद
5. जिसकी कोई कीमत न हो – अमूल्य
6. किसी प्राणी को न मारना – अहिंसा
7. ऊपर कहा हुआ – उपर्युक्त
8. जानने की इच्छा रखनेवाला – जिज्ञासु
9. देखने योग्य – दर्शनीय
10. आदर करने योग्य – आदरणीय

वर्तनी

चदंन – चंदन	सबी – सभी
भख्ति – भक्ति	परीक्शा – परीक्षा
प्रचीन – प्राचीन	अशीर्वाद – आशीर्वाद
नीती – नीति	कारन – कारण
क्रिष्ण – कृष्ण	चिन्ह – चिह्न

तत्सम / तद्‌भव शब्द

जो शब्द संस्कृत से ज्यों के त्यों आये हैं । वे 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं ।

जो शब्द संस्कृत से परिवर्तन हो आये हैं । वे 'तद्‌भव शब्द' कहलाते हैं ।

तत्सम शब्द	तद्‌भव शब्द
श्रावण	सावन
स्वप्न	सपना
सूर्य	सूरज
वन	बन
रत्न	रतन
कृपा	किरपा
गण	जन
वारि	पानी
चंद्र	चाँद

पद परिचय

1. बादल बरसते हैं ।
   बादल : जातिवाचक संज्ञा, पुं.लिंग,बहुवचन
2. एक मनुज संचित करता है,अर्थ पाप के बल से,
   और भोगता उसे दूसरा, भाग्यवाद के छल से ।
   एक : संख्यावाचक विशेषण, पुं.लिंग, एकवचन
   और : संयोजक समुच्चय बोधक
3. बरसते बादल अच्छे लगते हैं ।
   बरसते : गुणवाचक विशेषण, पुं.लिंग, बहुवचन
4. झरती धाराएँ सुंदर लगती है ।
   झरती : गुणवाचक विशेषण, स्त्री.लिंग, बहुवचन
5. गिरती बूँदें छम–छम करती हैं ।
   गिरती : गुणवाचक विशेषण, स्त्री.लिंग, बहुवचन
6. बहता पानी शुद्‌ध होता है ।
   बहता : गुणवाचक विशेषण, पुं.लिंग, एकवचन
7. बढता हुआ पौधा, खिलते हुए फूल, फैलती हुई सुगंध आदि अच्छे लगते हैं ।
   बढता हुआ:गुणवाचक विशेषण,पुं.लिंग, एकवचन
   खिलते हुए: गुणवाचक विशेषण,पुं.लिंग, बहुवचन
   फैलती हुई:गुणवाचक विशेषण,स्त्री.लिंग,एकवचन
8. मजदूर मेहनत करता है ।
   मजदूर : जातिवाचक संज्ञा, पुं.लिंग, एकवचन
   करता:सकर्मक क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन रूप
9. राम सीता का पति है ।
   राम : व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुं.लिंग, एकवचन
   पति : जातिवाचक संज्ञा, पुं.लिंग, एकवचन
10. पेड से पत्ता गिरा ।
    पेड : जातिवाचक संज्ञा, पुं.लिंग, एकवचन
    से : अपादान कारक

वाक्य रचना

सार्थक शब्द समूह को 'वाक्य' कहा जाता है । रचना के अनुसार वाक्य के तीन भेद हैं ।

1. **सरल वाक्य** : इस वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया होती है ।
   उदा: अ) हम भारत के वासी है ।
   आ) हमारे होठों पर सचाई रहती है ।
   इ) हम हर जान की कीमत जानते हैं।
2. **संयुक्त वाक्य** : इसमें दो सरल वाक्यों का मेल होता है ।
   उदा : अ) हम भारत के वासी है और भारत देश हमारा है ।
   आ) हमारे होठों पर सचाई रहती है और दिल में सफाई रहती है ।
   इ) भारत में अनेक धर्म हैं फिर भी हम सब एक है ।
3. **मिश्रित वाक्य** : इसमें सरल वाक्य के साथ किसी आश्रित वाक्य का मेल होता है ।
   उदा : अ) मुझे पूरा विश्वास है कि तुम हिंदी से अपना भविष्य बनाओगे ।
   आ) जो जानकारी दी गयी है उसे समझिए ।
   इ) तुम ने पूछा कि हिंदी का क्या महत्व है ?

अर्थ के आधार पर वाक्य

सार्थक शब्द समूह को 'वाक्य' कहा जाता है । अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं ।

1. **विधानार्थक वाक्य** : इसमें किसी बात का होना पाया जाता है ।
   उदा:अ) लडका मैदान में फुटबॉल खेलता है ।
   आ) दोनों ने एक साथ उस अंतरिक्ष यात्री से पूछा ।
2. **निषेधार्थक वाक्य** : इसमें निषेध अथवा निंदा प्रकट होता है ।
   उदा: अ)नदी–नालों में कचरा बहाना मना है ।
   आ) सडक पर फुटबॉल खेलना मना है ।
3. **इच्छाबोधक वाक्य** : इसमें इच्छा अथवा स्तुति का विधान होता है ।
   उदा : अ) हमें शुद्ध जल चाहिए ।
   आ) हमें फुटबॉल खेलना चाहिए ।
4. **विस्मयादि बोधक वाक्य** : इसमें विस्मय, भय, शोक आदि का भाव प्रकट होता है ।
   उदा : अ) ओह ! यह तो कोई यान है ।
   आ) वाह ! फुटबॉल अच्छा खेल है ।
5. **आज्ञार्थक वाक्य** : इसमें आज्ञा , विनती या उपदेश सूचित होता है ।
   उदा: अ) आप भी कभी हमारे यहाँ आइए ।
   आ) आप मैदान में फुटबॉल खेलिए ।
6. **प्रश्नार्थक वाक्य** : इसमें प्रश्न का बोध होता है।
   उदा : अ) यह यान कहाँ से आया ?
   आ) आप क्या खेलते हैं ?
7. **संदेहार्थक वाक्य** : इसमें कार्य होने का संदेह प्रकट होता है ।
   उदा : अ) यहाँ का जल शुद्ध होगा ।
   आ) लडका मैदान में खेलता होगा ।
8. **संकेतार्थक वाक्य** : इसमें संकेत, अपेक्षा या शर्त प्रकट होता है ।
   उदा:अ) समय मिलता तो हम फुटबॉल खेलते ।
   आ) हमारे यहाँ जल होता तो हम पृथ्वी पर न आते ।

वचन

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध उसे 'वचन' कहते हैं । वचन दो प्रकार के हैं ।

1. **एकवचन** : एक वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है । उदा : लडका, घोडा, नदी आदि ।
2. **बहुवचन** : एक से अधिक वस्तुओं या व्यक्तियों का बोध होता है । उदा: लडके, घोडे, नदियाँ आदि ।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लडका	लडके	लहर	लहरें
चिमटा	चिमटे	औरत	औरतें
बगीचा	बगीचे	रात	रातें
धागा	धागे	किताब	किताबें
किला	किले	चीज	चीजें
पौधा	पौधे	नजर	नजरें
बच्चा	बच्चे	आँख	आँखें
घंटा	घंटे	दुकान	दुकानें
खिलौना	खिलौने	बूँद	बूँदें
उपहार	उपहार	सलाह	सलाहें
कवि	कवि	समिति	समितियाँ
गुरु	गुरु	कहानी	कहानियाँ
पक्षी	पक्षी	मिठाई	मिठाईयाँ
भालू	भालू	खुशी	खुशियाँ
मजदूर	मजदूर	तितली	तितलियाँ
मोती	मोती	छुट्टी	छुट्टियाँ
मोर	मोर	लडकी	लडकियाँ
पानी	पानी	बच्ची	बच्चियाँ
बादल	बादल	नदी	नदियाँ
पुस्तक	पुस्तकें	टोली	टोलियाँ
सडक	सडकें	रोटी	रोटियाँ
नहर	नहरें	उँगली	उँगलियाँ
बात	बातें	स्त्री	स्त्रियाँ

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
कमी	कमियाँ	आशा	आशाएँ
योजना	योजनाएँ	कविता	कविताएँ
लेखिका	लेखिकाएँ	छात्रा	छात्राएँ
शुभकामना	शुभकामनाएँ	कक्षा	कक्षाएँ
भावना	भावनाएँ	सरिता	सरिताएँ
परीक्षा	परीक्षाएँ	दुआ	दुआएँ
संस्था	संस्थाएँ	भाषा	भाषाएँ
दिशा	दिशाएँ	घटा	घटाएँ
माला	मालाएँ	सेना	सेनाएँ
शंका	शंकाएँ	ऋतु	ऋतुएँ
सूचना	सूचनाएँ	बहू	बहुएँ

वचन बदलकर वाक्य लिखिए ।

1. मजदूर मेहनत करता है ।
ज: मजदूर मेहनत करते हैं ।
2. यह आदिवासी का संगीत है ।
ज: यह आदिवासियों का संगीत है ।
3. मोती सागर में मिलता है ।
ज: मोती सागर में मिलते हैं ।
4. धागे से माला बनती है ।
ज: धागे से मालाएँ बनती हैं ।
5. मोर सुंदर पक्षी है ।
ज: मोर सुंदर पक्षी हैं ।
6. बादल बरसता है ।
ज: बादल बरसते हैं ।
7. हामिद चिमटा लाया ।
ज: हामिद चिमटे लाया ।
8. हम भेदभाव दूर करेंगे ।
ज: मैं भेदभाव दूर करूँगा ।
9. स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं ।
ज: स्त्री ढोलक की मदद से गाती है ।
10. कक्षा में एक लडका आया ।
ज: कक्षाओं में एक लडका आया ।

लिंग

संज्ञा के जिस रूप से वस्तु की जाति का बोध होता है, उसे 'लिंग' कहते हैं । लिंग दो प्रकार के है । 1. पुं.लिंग 2. स्त्री.लिंग

1. **पुं.लिंग** : जिस संज्ञा से पुरुषत्व का बोध होता है । उदा : लडका, छात्र, राजा आदि ।
2. **स्त्री.लिंग** : जिस संज्ञा से स्त्रीत्व का बोध होता है । उदा : लडकी, छात्रा, रानी आदि ।

पुं.लिंग	स्त्री.लिंग	पुं.लिंग	स्त्री.लिंग
लडका	लडकी	विद्वान	विदूषी
बच्चा	बच्ची	पुरुष	स्त्री
बेटा	बेटी	अब्बाजान	अम्मीजान
दादा	दादी	श्रीमान	श्रीमति
चाचा	चाची	बुद्धिमान	बुद्धिमति
गरीब	गरीबिनी	राजा	रानी
धोबी	धोबिन	नर	नारी
भक्त	भक्तिन	वीर	वीरांगना
मालिक	मालकिन	साम्राट	साम्राज्ञी
भिखारी	भिखारिन	बाप	माँ
हंस	हंसनी	पिता	माता
मोर	मोरनी	आदमी	औरत
गायक	गायिका	गुरु	गुरुआइन
लेखक	लेखिका	देव	देवी
बालक	बालिका	साहब	साहिबा
उपासक	उपासिका	युवक	युवति
सेवक	सेविका	लोग	लुगाई
अध्यापक	अध्यापिका	**लिंग की पहचान:**	
शिक्षक	शिक्षिका	1. सलाह –स्त्री.लिंग	
छात्र	छात्रा	2.सरकार–स्त्री.लिंग	
शिष्य	शिष्या	3. संविधान–पु.लिंग	
महोदय	महोदया	4.संस्कृति–स्त्री.लिंग	
निदेशक	निदेशिका	5. समाधान–पुं.लिंग	

लिंग बदलकर वाक्य लिखिए ।

1. पुरुष श्रमिक के रूप में मेहनत करते हैं ।
ज: स्त्रियाँ श्रमिक के रूप में मेहनत करती हैं ।
2. हम छात्र क्या कर सकते हैं ?
ज: हम छात्राएँ क्या कर सकती हैं ?
3. आपके लिए तो सेवक ही हूँ ।
ज: आपके लिए तो सेविका ही हूँ ।
4. सही राह का मार्गदर्शन गुरु द्वारा होता है ।
ज: सही राह का मार्गदर्शन गुरुआइन द्वारा होता है।
5. गायक गीत गाता है ।
ज: गायिका गीत गाती है ।
6. अध्यापक पाठ पढाता है ।
ज: अध्यापिका पाठ पढाती है ।
7. लडके सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं ।
ज: लडकियाँ सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं ।
8. आइए महोदय !
ज: आइए महोदया !
9. वह एक वीर की तरह युद्ध करता है ।
ज: वह एक वीरांगना की तरह युद्ध करती है ।
10. मालिक ! आप आज्ञा दीजिए ।
ज: मालकिन ! आप आज्ञा दीजिए ।

लिंग और वचन के लिए सूचनाएँ :

1. पुं.लिंग एकवचन में क्रिया 'आकारांत' होती है, तो बहुवचन में 'एकारांत' होती है ।
2. स्त्री.लिंग एकवचन और बहुवचन दोनों में क्रिया 'ईकारांत' होती है ।
3. क्रिया, कर्ता के 'लिंग और वचन' के अनुसार बदलती है ।
4. कर्ता के साथ कारक प्रत्यय आने पर क्रिया कर्म के लिंग और वचन के अनुसार बदलती है ।
5. कर्ता के साथ कारक प्रत्यय न आने पर कर्म का लिंग या वचन बदलते समय क्रिया को बदलने की आवश्यकता नहीं है ।
6. सहायक क्रियाएँ: है–एकवचन, हैं–बहुवचन । हूँ–'मैं' और हो–'तुम' कर्ता के रूप में आने पर ।

संधि

दो अक्षरों के मेल से जो विकार होता है, उसे संधि कहते हैं । संधि तीन प्रकार के हैं ।

1. **स्वर संधि** : दो स्वरों के मेल को संधि कहते हैं । इसके पाँच प्रकार हैं ।

अ) **दीर्घ संधि** : अ, इ, उ में से सजातीय ह्रस्व या दीर्घ स्वर आने से वर्ण दीर्घ हो जाता है ।

उदा: पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
कवि + इन्द्र = कवींद्र
गुरु + उपदेश = गुरूपदेश
मरण + आसन्न = मरणासन्न
दिन + अंक = दिनांक

आ) **गुण संधि** : अ तथा आ के बाद इ, ई, उ,ऊ या ऋ आयें तो क्रमश: ए, ओ तथा अंतस्थ र् होते हैं । उदा : महा + ईश्वर = महेश्वर
सूर्य + उदय = सूर्योदय
पर + उपकार = परोपकार
महा + ऋषि = महर्षि

इ) **वृद्धि संधि** : अ,आ के संयोग ए,ऐ से हो तो 'ऐ' , ओ,औ से हो तो 'औ' हो जाता है ।

उदा : एक + एक = एकैक
सुंदर + ओदन = सुंदरौदन
महा + औषधि = महौषधि

ई) **यण संधि** : ह्रस्व या दीर्घ इ, उ, ऋ के पश्चात् यदि अन्य असमान स्वर आता है तब इ का य्, उ का व् तथा ऋ का र् हो जाता है ।

उदा : यदि + अपि = यद्यपि
प्रति + अक्ष = प्रत्यक्ष
मातृ + अनुमति = मात्रनुमति
सु + आगत = स्वागत
अति + अंत = अत्यंत
परि + आवरण = पर्यावरण
अति + आचार = अत्याचार
अति + उत्साह = अत्युत्साह
प्रति + अंग = प्रत्यंग
प्रति + एक = प्रत्येक
प्रति + उपकार = प्रत्युपकार
उदि + अंत = उद्यंत

उ) **अयादि संधि**: ए.ऐ.ओ.औ के पश्चात् किसी अन्य स्वर का आगमन हो तो क्रमश: अय्, आय्, अव्, आव् होते हैं । उदा : ने + अन = नयन
भो + अन = भवन
पो + अन = पवन
पौ + अन = पावन
पो + इत्र = पवित्र

2. **व्यंजन संधि** : व्यंजन से स्वर या व्यंजन के मेल को व्यंजन संधि कहते हैं ।

उदा : जगत् + ईश = जगदीश
वाक् + ईश = वागीश
दिक् + गज = दिग्गज
सत् + जनता = सज्जनता
वि + सम = विषम
षट् + दर्शन = षड्दर्शन
सम् + कल्प = संकल्प
उत् + माद = उन्माद
सत् + चरित्र = सच्चरित्र

3. **विसर्ग संधि** : स्वर या व्यंजन के साथ विसर्ग के मेल को विसर्ग संधि कहते हैं ।

उदा : नि: + चल = निश्चल
नि: + कपट = निष्कपट
नि: + संदेश = निस्संदेश
नि: + बल = निर्बल
नि: + रस = नीरस
नि: + शुल्क = निशुल्क
नि: + धन = निर्धन
नि: + आशा = निराशा
नि: + सार = निस्सार
मन: + रंजन = मनोरंजन
दु: + साहस = दुस्साहस

समास

दो या दो से अधिक शब्दों का जो संयोग होता है, उसे 'समास' कहते हैं । समास 6 प्रकार हैं ।

1. **अव्ययी भाव समास** : इसमें पहला पद प्रधान होता है ।
   उदा : प्रतिक्षण – हर एक क्षण
   निरंतर – बिना किसी अंतर के
   घर–घर – हर घर
   यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार
   आजीवन – जीवर भर
2. **तत्पुरुष समास** : इसमें दूसरा पद प्रधान होता है । उदा : सुखसार – सुख का सार
   सुख सागर – सुख का सागर
   राज भवन – राजा का भवन
   भारतवासी – भारत का वासी
   श्रमजल – श्रम का जल
   भुजबल – भुज का बल
   चरण चिह्न – चरणों के चिह्न
   गंगाजल – गंगा का जल
   युवा शक्ति – युवकों की शक्ति
3. **द्वंद्व समास** : इसमें प्रत्येक पद प्रधान होता है । उदा : सुख–दुख – सुख और दुख
   आशा–निराशा – आशा और निराशा
   माता–पिता – माता और पिता
   पेड–पौधे – पेड और पौधे
   पशु–पक्षी – पशु और पक्षी
   नभ–तल – नभ और तल
   साधु–संत – साधु और संत
   सुबह–शाम – सुबह और शाम
4. **द्विगु समास** : जहाँ पहला पद संख्या वाचक होता है । उदा : त्रिभुज – तीन भुजाएँ
   चौराहा – चार राहें
   शताब्दी – सौ वर्षों का समूह
   नवरात्री – नौ रात्रियों का समूह
   दोपहर – दूसरा पहर
5. **कर्मधारय समास** : इसमें समस्त पद विशेष्य विशेषण और उपमान उपमेय होते हैं ।
   उदा : नीलकमल – नीला कमल
   चंद्र मुख – चंद्रमा के समान मुख
   कर्ण मधुर – जो कानों को मधुर लगें
   क्रोधाग्नि – अग्नि जैसा क्रोध
   सज्जन – सत् जन
   जीवनज्योत – जीवन रूपी ज्योत
   स्वर्ण सूत्र –स्वर्ण रूपी सूत्र
   सुनहरे बादल – सुनहरे जैसे बादल
6. **बहुव्रीहि समास** : इसमें कोई पद प्रधान न होकर समस्तपद किसी और का अर्थ का वाचक होता है ।
   उदा: पंकज – कीचड में जन्म लेनेवाला (कमल)
   गोपाल – गायों को पालनेवाला (श्रीकृष्ण)
   पंचानन – पाँच मुख वाला (सिंह)
   दशानन – जिसके मुख दस हों (रावण)
   चतुर्भुज – जिसके चार भुजाएँ हैं (विष्णु)

कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं । कारक आठ प्रकार के हैं ।

कारक	विभक्तियाँ
1. कर्ता कारक	– ने
2. कर्म कारक	– को
3. करण कारक	– से, के द्वारा
4. संप्रदान कारक	– को, के लिए
5. अपादान कारक	– से
6. संबंध कारक	– का, के, की
7. अधिकरण कारक	– में, पर
8. संबोधन कारक	– हे, अरे, अजी

निम्न वाक्यों में कारक पहचानिए ।

1. हामिद के बाजार से आते ही अमीना ने उसे छाती से लगा लिया ।
   के – संबंध कारक
   से – अपादान कारक
   ने – कर्ता कारक
   से – करण कारक
2. हामिद ने कहा कि घर की देखरेख दादी ने की । ने – कर्ता कारक
   की – संबंध कारक
3. जिसने श्रम–जल दिया उसे पीछे मत रह जाने दो । जो+ने – कर्ता कारक
   वह+को– कर्म कारक
4. देश को एकता के सूत्र में बाँधने के लिए एक भाषा की आवश्यकता हुई ।
   को – कर्म कारक
   के,की – संबंध कारक
   में – अधिकरण कारक
   के लिए – संप्रदान कारक
5. नदी के पानी में उन्माद था । उसमें लहरें न थीं।
   के – संबंध कारक
   वह+में – अधिकरण कारक
6. गोदावरी के प्रवाह के साथ होड करते हुए भी उसे संकोच न होता था ।
   के – संबंध कारक
7. अरे! जरा उस लडकी को बुलाओ ।
   अरे! – संबोधन कारक
   को – कर्म कारक
8. स्टेशन से गाडी निकलने लगी ।
   से – अपादान कारक
9. राजा ने ब्राह्मण को दान दिया ।
   को – संप्रदान कारक
10. पेड से पत्ते गिर रहे हैं ।
    से – अपादान कारक

वाच्य

क्रिया के जिस रूप से पता चले कि क्रिया का मुख्य विषय कर्ता, कर्म अथवा भाव है, उसे 'वाच्य' कहते हैं ।

1. **कर्तृ वाच्य** : क्रिया कर्ता पर आधारित होता है।
   उदा : लडका रोटी खाता है ।
2. **कर्म वाच्य** : क्रिया कर्म पर आधारित होता है।
   उदा : लडके से रोटी खायी जाती है ।
3. **भाव वाच्य** : क्रिया भाव प्रधान होता है ।
   उदा : लडके से दौडा नहीं जाता ।
   (भाव वाच्य अकर्मक क्रियाओं से बनती है)

सूचनाएँ : 1. क्रिया, कर्तृ वाच्य में कर्ता पर, कर्म वाच्य में कर्म पर आधारित होती है ।

2. कर्तृ वाच्य में कर्ता के साथ 'ने' प्रत्यय जुडने पर क्रिया कर्ता पर आधारित नहीं होती ।
3. कर्मवाच्य में बदलते समय कर्ता के साथ 'से' प्रत्यय को लगाना चाहिए ।
4. कर्तृवाच्य के क्रिया को दो भागों में बाँट लेना चाहिए । पहली–विधि, दूसरी–प्रत्यय ।
5. कर्मवाच्य में बदलते समय क्रिया के प्रत्यय के पहले 'जा' क्रिया विधि रूप को लगाना चाहिए ।
6. कर्म वाच्य में पहली क्रिया–हमेशा भूतकाल में रहती है । दूसरी क्रिया– कर्तृवाच्य के काल पर आधारित रहती है ।

1. राजू पुस्तक पढता है । (कर्तृ वाच्य)
   राजू से पुस्तक पढी जाती है । (कर्म वाच्य)
2. लडका भोजन करता है । (कर्तृ वाच्य)
   लडके से भोजन किया जाता है । (कर्म वाच्य)
3. रानी ने आज्ञा दी । (कर्तृ वाच्य)
   रानी से आज्ञा दी गयी । (कर्म वाच्य)
4. लक्ष्मीबाई ने जूही से कहा । (कर्तृ वाच्य)
   लक्ष्मीबाई द्वारा जूही से कहा गया ।(कर्म वाच्य)
5. मैं खाना खाती हूँ । (कर्तृ वाच्य)
   मुझसे खाना खाया जाता है । (कर्म वाच्य)

काल

क्रिया के होने या करने के समय को 'काल' कहते हैं । काल तीन प्रकार के हैं ।

1.**भूतकाल** : बीते हुए समय को भूतकाल कहते हैं । भूतकाल के छः भेद हैं ।

भूतकाल	उदाहरण
1. सामान्य भूत	लडके ने पुस्तक पढी ।
2. आसन्न भूत	लडके ने पुस्तक पढी है ।
3. पूर्ण भूत	लडके ने पुस्तक पढी थी ।
4. संदिग्ध भूत	लडके ने पुस्तक पढी होगी ।
5. अपूर्ण भूत	लडका पुस्तक पढ रहा था ।
6. हेतु–हेतु मद्	लडके को पुस्तक मिलती तो पढता ।

भूतकाल के पहले पाँच प्रकारों के उदाहरण :

क्रिया अकर्मक होने पर

1. रमजान के पूरे रोजों के बाद ईद आयी ।
2. रमजान के पूरे रोजों के बाद ईद आयी है ।
3. रमजान के पूरे रोजों के बाद ईद आयी थी ।
4. रमजान के पूरे रोजों के बाद ईद आयी होगी ।
5. रमजान के पूरे रोजों के बाद ईद आ रही थी ।

1. हामिद चिमटा लाया ।
2. हामिद चिमटा लाया है ।
3. हामिद चिमटा लाया था ।
4. हामिद चिमटा लाया होगा ।
5. हामिद चिमटा ला रहा था ।

1. हामिद दादी से बोला ।
2. हामिद दादी से बोला है ।
3. हामिद दादी से बोला था ।
4. हामिद दादी से बोला होगा ।
5. हामिद दादी से बोल रहा था ।

क्रिया सकर्मक होने पर

1. हामिद ने चिमटा लिया । (ले+आ=लिया)
2. हामिद ने चिमटा लिया है ।
3. हामिद ने चिमटा लिया था ।
4. हामिद ने चिमटा लिया होगा ।
5. हामिद चिमटा ले रहा था ।

2. **वर्तमान काल** : जो समय चल रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं । इसके चार भेद हैं ।

वर्तमानकाल	उदाहरण
1. सामान्य	लडका पुस्तक पढता है ।
2. अपूर्ण	लडका पुस्तक पढ रहा है ।
3. पूर्ण	लडका पुस्तक पढ चुका है ।
4. संदिग्ध	लडका पुस्तक पढ रहा होगा ।

वर्तमान काल के चार प्रकारों के उदाहरण :

1. स्त्रियों के द्वारा गीत गाये जाते हैं ।
2. स्त्रियों के द्वारा गीत गाये जा रहे हैं ।
3. स्त्रियों के द्वारा गीत गाये जा चुके हैं ।
4. स्त्रियों के द्वारा गीत गाये जा रहे होंगे ।

1. गायक के द्वारा लोकगीत गाया जाता है ।
2. गायक के द्वारा लोकगीत गाया जा रहा है ।
3. गायक के द्वारा लोकगीत गाया जा चुका है ।
4. गायक के द्वारा लोकगीत गाया जा रहा होगा ।

1. अध्यापक के द्वारा पाठ पढाया जाता है ।
2. अध्यापक के द्वारा पाठ पढाया जा रहा है ।
3. अध्यापक के द्वारा पाठ पढाया जा चुका है ।
4. अध्यापक के द्वारा पाठ पढाया जा रहा होगा ।

1. हामिद चिमटा लाता है ।
2. हामिद चिमटा ला रहा है ।
3. हामिद चिमटा ला चुका है ।
4. हामिद चिमटा ला रहा होगा ।

3. **भविष्यत काल** : आने वाले समय को भविष्यत काल कहते हैं ।

भविष्यत काल	उदाहरण
1. सामान्य	लडका पुस्तक पढेगा ।
2.सातत्य बोधक	लडका पुस्तक पढता रहेगा ।
3. पूर्ण	लडका पुस्तक पढ चुकेगा ।
4. संभाव्य	लडका पुस्तक पढें ।

भविष्यत काल के चार प्रकारों के उदाहरण :

1. भटक रहे जो जीवन पथ से उनको राह दिखाएँगे ।
2. भटक रहे जो जीवन पथ से उनको राह दिखाते रहेंगे ।
3. भटक रहे जो जीवन पथ से उनको राह दिखा चुकेंगे ।
4. भटक रहे जो जीवन पथ से उनको राह दिखाएँ ।

1. उलझन में उलझे लोगों को, तथ्य दीप समझायेंगे ।
2. उलझन में उलझे लोगों को, तथ्य दीप समझाते रहेंगे ।
3. उलझन में उलझे लोगों को, तथ्य दीप समझा चुकेंगे ।
4. उलझन में उलझे लोगों को, तथ्य दीप समझायें ।

1. हम खुशियों के दीप जलायेंगे ।
2. हम खुशियों के दीप जलाते रहेंगे ।
3. हम खुशियों के दीप जला चुकेंगे ।
4. हम खुशियों के दीप जलायें ।

अन्य उदाहरण :

1. यह तो कोई यान है । (भूतकाल में बदलिए)

ज: यह तो कोई यान था ।

2. मेरे कई साथी इस संपूर्ण नीले ग्रह पर फैले थे । (भविष्यत काल में बदलिए)

ज: मेरे कई साथी इस संपूर्ण नीले ग्रह पर फैलेंगे ।

3. पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे थे । (वर्तमान काल में बदलिए)

ज: पानी के अभाव में हमारे लोग मर रहे हैं ।

4. हम लोग अपना मिशन चुपचाप पूरा करना चाहते थे । (भविष्यत काल में बदलिए)

ज: हम लोग अपना मिशन चुपचाप पूरा करना चाहेंगे ।

सहभागी गण :

1. श्री यम.खाजा हुस्सेन

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला, बोयनपल्ली

2. श्री पी.राजशेखर रेड्डी

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला,नल्लिन्गायापल्ली

3. श्री डॉ यम.खदीरुल्ला खान

हिंदी पंडित

मंडल परिषद उच्च प्राथमिक पाठशाला,

महबूबनगर, रायचोटि मंडल

4. श्री यस.करीमुल्ला

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला, बयनपल्ली

5. श्री वी.पुल्लय्या

पाठशाला सहायक (हिंदी)

जिला परिषद उन्नत पाठशाला, चिन्नमुक्कापल्ली